Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 51
जयपुर, शुक्रवार, 26 जुलाई 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष

सीपी जोशी ने पद से इस्तीफ़े की पेशकश की थी, राधा मोहन दास अग्रवाल होंगे प्रभारी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ बीजेपी राजस्थान के नए प्रदेशाध्यक्ष होंगे। वहीं सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल को प्रदेश प्रभारी बनाया है। इससे पहले गुरुवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने पद से इस्तीफ़े की पेशकश कर दी है। पिछले 4 दिन से जोशी दिल्ली में थे। वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा से मिले भी थे। जोशी ने इस्तीफ़े की एक बार पहले भी लोकसभा चुनावों के परिणाम आते ही पेशकश कर दी थी। जोशी विधानसभा चुनावों के परिणामों (दिसंबर-2023) में राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही पद छोड़ना चाहते थे। उन्हें पार्टी आलाकमान ने पद पर बने रहने को कहा था। उनके नेतृत्व में पार्टी की सरकार बन गई थी, वे किसी नए नेता को कमान सौंपना चाहते थे। लोकसभा चुनाव से पहले भी जोशी ने आलाकमान को कहा था, वे स्वयं चित्तौड़गढ़ से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश भर में चुनाव प्रचार नहीं कर सकेंगे। हालांकि आलाकमान ने उन्हें पद पर बने रहने को कह दिया था। अब लोकसभा के चुनाव परिणाम आए भी करीब डेढ़ महीना हो गया था। ऐसे में उन्होंने पद छोड़ने की पेशकश एक बार फिर कर दी थी। गुरुवार देर रात पार्टी ने नए प्रदेशाध्यक्ष के नाम का ऐलान कर दिया। राठौड़ के नेतृत्व में ही पांच सीटों पर विधानसभा उप चुनाव होंगे।

उपचुनाव को लेकर शाह को दिया था फीडबैक

संसद भवन में सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह से जोशी ने मुलाकात की थी। जोशी ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने पर बधाई दी थी। दोनों नेताओं के बीच राजस्थान की पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव को लेकर चर्चा हुई थी। जोशी पिछले दिनों उप चुनाव वाले जिलों की कार्य समितियों की बैठक में भी शामिल हुए थे। बैठकों से मिले फीडबैक के बारे में भी जोशी ने शाह को अवगत करवाया। राजस्थान भाजपा में अगला प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी वर्ग से जुड़े नेता को बनाया गया है। मदन राठौड़(ओबीसी) के साथ ही राजेंद्र गहलोत (ओबीसी), प्रभुलाल सैनी (ओबीसी) और जितेंद्र गोठवाल (एससी) के नाम चर्चा में थे। जोशी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं। बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बने हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जोशी को जल्द ही राष्ट्रीय नेतृत्व या केन्द्रीय मंत्रिमंडल (विस्तार होने पर) में जगह मिल सकती है।

सीएम और प्रदेशाध्यक्ष दोनों पदों पर ब्राह्मण होने से बदले समीकरण

राजस्थान में सीएम और प्रदेशाध्यक्ष दोनों महत्वपूर्ण पदों पर ब्राह्मण नेताओं के होने से जातिगत समीकरण बदले। पार्टी के चुनावी फॉर्मूले में हमेशा से इन दोनों पदों पर अलग-अलग जाति के नेता को रखा जाता है। इस बार संयोग से दोनों ही पदों पर ब्राह्मण नेता ही हैं सीएम के पद पर भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष पद पर सीपी जोशी। ऐसे में प्रदेशाध्यक्ष पर ओबीसी वर्ग के नेता लाया गया है, ताकि दोनों बड़े पदों का व्यापक असर मतदाताओं में पड़े।

क्या लोकसभा के परिणामों से असंतुष्ट थे जोशी

राजस्थान में भाजपा ने पिछले दो लोकसभा चुनावों 2014 और 2019 में सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार 11 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। इन परिणामों से जोशी दुखी तो नहीं थे, लेकिन वे असंतुष्ट जरूर थे। उन्होंने आलाकमान को बताया था कि लोकसभा चुनावों में क्या-क्या टिकट संबंधी समीकरण रहे और किन कारणों से चुनावों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। उन्होंने स्वीकार किया था कि पार्टी को कुछ तय जातिगत-समाजों के वोट नहीं मिल सके हैं। ऐसे में उन्हें भी प्रतिनिधित्व देना आवश्यक है।

बजट में दी गई सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

सिवाना क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरूवार को विधानसभा में बाड़मेर जिले के सिवाना विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल के नेतृत्व में 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बजट 2024-25 में सिवाना विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास कार्यों की घोषणा के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस बजट में हर क्षेत्र और हर वर्ग के लिए कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का केन्द्र बिन्दु है। परिवर्तित बजट इसी संकल्पना को साकार करने की रूपरेखा है। इस दौरान सिवाना विधायक सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस विधायक की साधु-संतों पर टिप्पणी को लेकर हंगामा

बालकनाथ बोले- घर से बाहर नहीं निकलने दूंगा, श्रवण कुमार ने कहा- दबने वाला नहीं हूं

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार की साधु-संतों पर टिप्पणी को लेकर जमकर हंगामा हुआ। श्रवण कुमार ने बुधवार को सदन में कहा था कि बाबाओं ने ही भट्टा बैठा रखा है। इस बयान पर आज संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित अलवर विधायक बाबा बालकनाथ ने श्रवण कुमार से माफी मांगने को कहा। टिप्पणी को लेकर विधानसभा में जमकर हंगामा हो गया। इस कारण विधानसभा की कार्यवाही थोड़ी देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। हालांकि स्पीकर वासुदेव देवनानी ने श्रवण कुमार की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दे दिया है। श्रवण कुमार जब अनुदान मांगों पर बोल रहे थे, तब महंत बालकनाथ ने कहा कि आप अपने बयान पर स्थिति स्पष्ट कीजिए, अन्यथा बोलने नहीं देंगे। आपकी विधानसभा से लेकर घर तक पूरे संत समाज को इकट्ठा करना मेरा काम है। मैं घर से बाहर नहीं निकलने दूंगा। आप स्पष्टीकरण दीजिए आप क्या मानते हैं। इस पर श्रवण कुमार ने कहा कि ये कह रहे हैं कि जीने नहीं दूंगा, तो बता दूं मैं जीना पसंद भी नहीं करता हूं। मरना पसंद करते हैं, झुकना पसंद नहीं करते। इस तरह दादागीरी से दबने वाला नहीं हूं, मैं अध्यक्ष की व्यवस्था मानता हूं। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट में 50 हजार भर्तियां की जा रही हैं। डॉक्टर व नर्सिंगकर्मियों के सभी खाली पदों को जल्द भरा जाएगा। वहीं, बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ गहलोत सरकार में शुरू हुई नंदकानन योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा की मंदिरों के संरक्षण वाली इस योजना को बिना बजट के ही शुरू कर दिया गया था। इससे पहले विधानसभा में आज की शुरुआत भी हंगामे से हुई। प्रश्नकाल के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों में अफसर-कर्मचारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति से जुड़े सवाल पर जमकर नोकझोंक हुई। हंगामे से नाराज स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विपक्षी विधायकों को जमकर फटकार लगाई। देवनानी ने कहा कि आपको बाहर निकालने का प्रस्ताव लाना पड़ेगा।

स्पीकर देवनानी ने विधायकों को फटकारा

विधानसभा में बिना अनुमति बोलने और नियमों का पालन नहीं करने पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विधायकों को जमकर फटकार लगाई। देवनानी ने विधायकों को फटकारते हुए कहा कि मेरे निर्देशों को कुछ विधायक लाइटली ले रहे हैं, वे कह रहे हैं कि इनकी तो आदत है, कहते रहते हैं। मैं उन्हें साफ कर देता हूं अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी। चलते सदन में कुछ विधायक दूसरे की सीट पर बैठकर गप्पे लगा रहे हैं। कुछ विधायक मेरे खड़े रहकर व्यवस्था देने के समय भी इधर उधर घूमते रहते हैं।

खनिजों पर टैक्स के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

कहा- मिनरल्स पर दी जाने वाली रॉयल्टी टैक्स नहीं, राज्यों को टैक्स लगाने का हक है

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। खनिजों पर टैक्स वसूलने के मामले पर गुरुवार (25 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने फैसला सुनाया है। एख्क्रने कहा है कि बेंच ने 8:1 के बहुमत से फैसला किया है कि खनिजों पर लगने वाली रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जाएगा। एख्क्रने कहा है कि माइंस और मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट राज्यों की टैक्स वसूलने की शक्तियों को सीमित नहीं करता है। राज्यों को खनिजों और खदानों की जमीन पर टैक्स वसूलने का पूरा अधिकार है। खदानों और खनिजों पर केंद्र की ओर से अब तक टैक्स वसूली के मुद्दे पर 31 जुलाई को सुनवाई होगी। दरअसल, अलग-अलग राज्य सरकारों और खनन कंपनियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में 86 याचिकाएं पहुंची थीं। कोर्ट को को तय करना था कि मिनरल्स पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने के अधिकार राज्य सरकार को होने चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में 8 दिन तक चली सुनवाई में केंद्र ने कहा था कि राज्यों को यह अधिकार नहीं होना चाहिए। अदालत ने 14 मार्च को फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि खदान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम राज्यों को खनिजों पर टैक्स लगाने से रोकती है।

कोर्ट ने कहा था- टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों को भी

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- संविधान में खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार केवल संसद को ही नहीं है, बल्कि राज्यों को भी दिया गया है। ऐसे में उनके अधिकार को दबाया नहीं जा सकता है। 9 जजों की बेंच में जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस उज्जल भुइयां, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज शामिल थे। इनमें से जस्टिस बीवी नागारत्ना की बाकी जजों से अलग राय थी। बीवी नागरत्ना का मनना है कि राज्यों को टैक्स वसूलने का अधिकार नहीं देना चाहिए। इससे इन राज्यों में कॉम्पिटिशन बढ़ेगा। द्र ने कहा था कि अगर राज्यों को टैक्स लगाने का अधिकार दिया तो राज्यों में महंगाई बढ़ेगी। खनन क्षेत्र में क्क्रमें दिक्कतें आएंगी। इससे भारतीय मिनरल्स महंगे होंगे और इंटरनेशनल मार्केट में कॉम्पिटिशन घटेगा। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामा में खनिज पर रॉयल्टी से अधिक टैक्स लगाने का विरोध किया था। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया था- केंद्र के पास खदान और खनिजों पर टैक्स लगाने की ज्यादा शक्तियां हैं।

हार्ट अटैक से जदयू के राष्ट्रीय महासचिव का निधन

■ संजीवनी टुडे

दिल्ली में राजीव रंजन ने ली अंतिम सांस, पार्टी में शोक की लहर

पटना। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन का हार्ट अटैक से निधन हो गया। दिल्ली में उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनके बेटे ने उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राजीव रंजन सीएम नीतीश कुमार के काफी करीब थे। नालंदा के इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी रह चुके हैं। राजनीति में आने से पहले ख्वृ्मे बिजली बोर्ड के अध्यक्ष थे। राजीव रंजन के निधन से जनता दल यूनाइटेड को बड़ी क्षति पहुंची है। उनकी गिनती सीएम नीतीश कुमार के करीबियों में होती थी। नीतीश कुमार ने हाल ही में उन्हें राष्ट्रीय महासचिव और राष्ट्रीय प्रवक्ता दोनों की जिम्मेदारी दी थी। पिछले महीने दिल्ली में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संगठन का विस्तार किया गया। उस समय राजीव रंजन को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। साथ ही राष्ट्रीय प्रवक्ता की भी भूमिका दी गई थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजीव रंजन के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राजीव रंजन एक कुशल राजनीतिज्ञ और समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति और उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। वहीं, जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह जी का निधन अत्यंत दुखद। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करें।

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल-अशोक हॉल का नाम बदला

गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कहलाएंगे, प्रियंका गांधी बोलीं- ये शहंशाह का कॉन्सेप्ट

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के दो हॉल का नाम बदलने का ऐलान किया है। अब से दरबार हॉल को गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल को अशोक मंडप के नाम से जाना जाएगा। इसे लेकर राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से प्रेस रिलीज जारी की गई है। रिलीज के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन के परिवेश में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और प्रकृति की झलक दिखाई दे, इसलिए दोनों हॉल के नाम बदले गए हैं। रिलीज में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन, जो कि भारतीय राष्ट्रपति का कार्यालय और आवास है, वह देश का प्रतीक है और लोगों की अमूल्य धरोहर है। ऐसे में लगातार कोशिशें की जा रही हैं कि राष्ट्रपति भवन में भारतीय संस्कृति की झलक दिखें। इसे लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इस देश में दरबार का कॉन्सेप्ट नहीं है, लेकिन शहंशाह का कॉन्सेप्ट है। रिलीज के मुताबिक, दरबार हॉल में नेशनल अवॉर्ड दिए जाने जैसे अहम समारोह और उत्सव आयोजित किए जाते हैं। भारतीय शासकों और ब्रिटिशर्स की तरफ से लगाए जाने वाले दरबार और सभाओं के नाम पर इस हॉल को 'दरबार' नाम दिया गया था।

बॉलरूम हुआ करता था अशोक हॉल

अशोक हॉल सबसे पहले एक बॉलरूम था, जहां ब्रिटिशर्स बॉल डांस आयोजित करते थे। 'अशोक' शब्द का अर्थ है 'वह जो सभी शोकों से मुक्त हो' या 'जिसे कोई शोक या दुख न हो'। यह सम्राट अशोक के नाम की भी याद दिलाता है जो एकता और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का प्रतीक हैं। भारतीय गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक भी सारनाथ का अशोक स्तंभ है। साथ ही यह शब्द अशोक वृक्ष से भी जुड़ा हुआ है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' करने के पीछे उद्देश्य है भाषा में समानता लाना, अंग्रेजीकरण के निशानों को हटाना और 'अशोक' शब्द से जुड़े मूल्यों को बनाए रखना। लेकिन 1950 में देश के गणतंत्र बनने के बाद इस नाम का औचित्य नहीं रह गया। इसलिए इस हॉल के लिए 'गणतंत्र भवन' सटीक नाम है।राष्ट्रपति भवन में 22 अप्रैल की शाम पद्म सम्मान दिए गए। सेरेमनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। 25 जनवरी को ये सम्मान घोषित किए गए थे। 2024 के लिए 5 लोगों को पद्म विभूषण, 17 को पद्म भूषण, 110 को पद्मसे सम्मानित करने का ऐलान किया गया था। इनमें पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, बिंदेश्वर पाठक (मरणोपरांत) और पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, सिंगर उषा उथुप और सीताराम जिंदल समेत कुछ लोगों को पद्म भूषण दिया। इसके अलावा मनोहर कृष्ण डोले और रामचेत चौधरी समेत कुछ हस्तियों को पद्मदिया गया। समारोह का सबसे भावुक और गर्व से भरा पल सोशल वर्कर डॉ. केएस राजन्ना को पद्म श्रीअवॉर्ड दिए जाने का था। डॉ. राजन्ना ने पोलियो के कारण अपने हाथ-पैर गवां दिए थे।

कारगिल में विजय दिवस कार्यक्रम में पहुंचे आर्मी चीफ

प्रधानमंत्री कारगिल रजत जयंती कार्यक्रम में शामिल होने लद्दाख जाएंगे, शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। शुक्रवार (26 जुलाई) को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ हैं। इस मौके पर कारगिल जिले के द्रास में रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, पूर्व आर्मी चीफ जनरल वीपी मलिक भी शामिल हुए। बता दें कि 26 जुलाई 1999 को भारत ने पाकिस्तान के सैनिकों को हराकर कारगिल की लड़ाई जीती थी। तभी से इस दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। कारगिल जिले के द्रास में आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में पीएम मोदी भी शामिल होंगे। इस मौके पर वे कारगिल वॉर मेमोरियल पहुंचकर 1999 के जंग के नायकों को श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही पीएम उनके परिजनों से भी मुलाकात करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने 2022 में सैनिकों के साथ कारगिल में दिवाली मनाई थी।

भाजपा सांसद के आपत्तिजनक शब्द को संसद रिकॉर्ड से हटाया

अभिजीत गंगोपाध्याय ने गौरव गोगोई को स्टूपिड कहा था, रिजिजू ने भी इसका विरोध किया था

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। संसद में बजट पर चर्चा के दौरान 25 जुलाई को भी हंगामा जारी रहा। लोकसभा में भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय की एक दिन पहले की टिप्पणी पर विवाद की स्थिति बनी रही। विपक्ष गंगोपाध्याय से माफी की मांग कर रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी अपनी ही पार्टी के सदस्य की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गंगोपाध्याय ने भाषा का गलत इस्तेमाल किया। कोई सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, तो यह दुख की बात है। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज और पश्चिम बंगाल से सांसद गंगोपाध्याय संसद सत्र के दूसरे दिन आर्थिक विषयों पर बोल रहे थे। इसी दौरान विपक्षी सदस्यों ने टिप्पणी की। इस पर गंगोपाध्याय ने कहा कि विद्वान सदस्यों को इसकी (आर्थिक विषयों) जानकारी नहीं है, उन्हें और सीखना चाहिए। इसी दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने 'गोडसे' को लेकर टिप्पणी की। इस पर गंगोपाध्याय ने कहा कि मूर्खों की तरह बात मत करो। इसके बाद सदन में हंगामा हो गया। विपक्षी सदस्यों गंगोपाध्याय के कहे शब्द का विरोध किया।

कांग्रेस सांसद चन्नी और भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू में बहस

गुरुवार को लंच के बाद जब लोकसभा दोबारा शुरू हुई तो कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी और भाजपा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की बहस हो गई। चन्नी ने बिट्टू के दादा और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या का जिक्र किया। चन्नी ने कहा कि बिट्टू आपके दादा शहीद हुए थे। लेकिन उस दिन उनकी मौत हुई, जिस दिन आपने कांग्रेस छोड़ी। इस पर बिट्टू ने कहा कि मेरे दादा सरदार बेअंत सिंह ने कांग्रेस नहीं, देश के लिए कुर्बानी दी थी। बिट्टू ने आगे कहा कि चन्नी गरीबी की बात कर रहे हैं, लेकिन वे पंजाब के सबसे अमीर आदमी हैं। अगर वे पंजाब के सबसे अमीर और भ्रष्ट आदमी नहीं हैं तो मैं अपना नाम बदल लूंगा। इस बीच चन्नी ने गोरी चमड़ी को लेकर कुछ कहा तो बिट्टू ने सोनिया गांधी पर टिप्पणी की। इस पर हंगामा हुआ। पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर से कांग्रेस सांसद ने कहा कि पंजाब में सिद्धू मूसेवाला जैसे युवाओं को मारा जा रहा है। किसानों को खालिस्तानी बताया जा रहा है। मणिपुर हिंसा, हाथरस रेप केस, पहलवानों से हिंसा सब इमरजेंसी ही है। चन्नी ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग 1975 के आपातकाल की बात करते हैं, पर एक निर्वाचित सांसद को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत जेल में रखा जाना 'अघोषित आपातकाल' है।

खबरें फटाफट

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल का औचक निरीक्षण कर जांचा शैक्षिक स्तर

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। गुरुवार को कस्बे के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय इमाम चौंक स्कूल का मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामगोपाल मीना ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों के शैक्षिक स्तर की जांच की गई। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत एक पेड़ लगाया। इस दौरान राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय टहला के प्रधानाचार्य लवकुश शर्मा, प्रधानाध्यापक नरेंद्र कुमार शर्मा, हरिनारायण मीना, शकुंतला मीना, मधु भारद्वाज, कमलेश शर्मा, अंजलि आदि उपस्थित रहे।

शेखा की बगीची आश्रम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ आयोजित

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के बांदिकुई मार्ग पर स्थित शेखा की बगीची में गुरुवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। शेखा की बगीची के महंत नवलदास और जितेंद्र बैरवा ने बताया कि इस दौरान मंदिर परिसर सहित आसपास छायादार व फलदार पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तथा पेड़ों की नियमित देखभाल की शपथ ली गई। इस दौरान महंत नवलदास, जितेंद्र बैरवा, सोनू मीना, जितेंद्र मीना, भागचंद मीना, हरिकिशन मीना, प्रदीप मीना, सचिन मीना आदि मौजूद रहे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

संजीवनी टुडे

राजगढ़। गुरुवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजगढ़ रामगोपाल मीना ने रा,उ,प्रावि, इमाम चौक राजगढ का औचक अवलोकन किया। शिक्षक बृजमोहन ने बताया कि कक्षा में शैक्षिक स्तर की जांच की वह विद्यालय परिसर व गार्डन में एक पौधा मां के नाम पर एक पौधा भी लगाया। साथ में रा,बा,उ मा,वि के प्रधानाचार्य लवकुश शर्मा व प्रधानाध्यापक नरेंद्र शर्मा व हरिनारायण मीना, शकुंतला मीना,मधु भारद्वाज, कमलेश शर्मा, अंजली मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय में किया वृक्षारोपण

संजीवनी टुडे

टहला । गुरुवार को क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडा जयसिंहपुरा राजगढ़ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भामाशाह मूलचंद मीणा संत मार्बल टोडा जयसिंहपुरा 60 पेड़ तथा भामाशाह मोहनलाल कोठी वाला ने 50 पेड़ विद्यालय परिसर में लगाए। प्रधानाचार्य बाबूलाल मीणा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस विद्यालय में भामाशाह विद्यालय स्टाफ तथा विद्यार्थियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस अवसर पर भामाशाह कमल कुमार मीणा, अमरी देवी, एसडीएमसी सदस्य सुरेंद्र कुमार, व्याख्याता किशनलाल मीणा, कैलाश चंद मीणा, हरिकिशन मीणा, जितेंद्र कुमार गौड़, सुरेश चंद सैनी, लवेश कुमार, ताराचंद सैनी, कमल कुमार, रिछपाल, दिनेश जांगिड़, रामकिशन बलाई आदि एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विकास नैहडा अकादमी ने मनाया अपना पहला स्थापना दिवस

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़ । गुरुवार को जमवारामगढ़ जयपुर में स्थित सिविल-सेवा व अन्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाली वाली अकादमी ने गुरुवार को पहला स्थापना दिवस मनाया। संस्था की तरफ से मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजित किया गया इस सेमिनार में विद्यार्थी को प्रशासन प्रशासनिक- सेवा संबंधित बातों को समझाया गया की एकेडमी में12वीं के बाद ग्रेजुएशन के साथ की तैयारी पढ़ाई में उन पहलुओं का ध्यान दिया जाता है जिसकी प्रशासनिक सेवा में जरूरत है। विकास नैहडा ने बताया की गरीब अनाथ , असहाय, जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना मुख्य उद्देश्य है।

ग्राम विकास अधिकारी के स्थानांतरण आदेश पर अधिकरण ने लगाई रोक

संजीवनी टुडे

अलवर। जिले की पंचायत समिति थानागाजी की ग्राम पंचायत भूरियावास में कार्यरत एक ग्राम विकास अधिकारी के स्थानांतरण से जुड़ी अपील की राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) ने सुनवाई कर इसके स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है तथा पंचायती राज विभाग के प्रमुख शासन सचिव, अलवर जिला परिषद के सीईओ एवं थानागाजी पंचायत समिति के विकास अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रार्थी विमल कुमार मीणा के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि वह भूरियावास ग्राम पंचायत में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत है। जिला परिषद अलवर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने 19 जुलाई को आदेश जारी कर उसका बानसूर पंचायत समिति में स्थानांतरण कर दिया गया। विभाग ने स्थानांतरण आदेश में पंचायती राज नियमों की अवहेलना कर प्रार्थी का स्थानांतरण किया है। इसलिए स्थानांतरण आदेश अनुचित एवं विधि विरुद्ध है। अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि प्रार्थी का बिना प्रशासनिक आवश्यकता के स्थानांतरण किया गया है लिहाजा मुख्य कार्यकारी अधिकारी के द्वारा 19 जुलाई को जारी स्थानांतरण आदेश को निरस्त करने की गुहार लगाई थी। जिस पर अधिकरण ने स्थानांतरण आदेश पर रोक लगाकर प्रार्थी को राहत दी है। अध्यापक को ग्रीष्मावकाश का वेतन नही देने के मामलें से जुड़ी एक अध्यापक की अपील पर राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक सहित जयपुर के जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अध्यापक दीपक कुमार शर्मा के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थी की प्रथम नियुक्ति फरवरी 1997 में तृतीय श्रेणी शिक्षक के पद पर हुई है। विभाग ने प्रार्थी की नियुक्ति सत्रांत तक के लिए की और फिर पुनः सत्र के प्रारंभ में नियुक्ति दे दी गई। इस कारण प्रार्थी को ग्रीष्मावकाश का वेतन नही दिया गया और न ही सेवा परिलाभ दिए गए। अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि विभाग ने प्रार्थी की चयन प्रक्रिया से नियमित पद पर नियुक्ति दी गई थी लेकिन उन्हें सत्रांत तक ही सेवा रखा गया और उसी चयन के आधार पर सत्र के प्रारंभ होने पर पुनः नियुक्ति दे दी गई। इस कारण प्रार्थी ग्रीष्मावकाश का वेतन पाने का हकदार है। विभाग ने समान प्रकृति के मामलों में अन्य शिक्षकों को ग्रीष्मावकाश के वेतन का भुगतान कर दिया है लेकिन विभाग भेदभावपूर्ण नीति अपना रहा है। इसलिए विभाग को निर्देशित कर उसे भी ग्रीष्मावकाश के वेतन का भुगतान किया जावें। इस पर अधिकरण की बैंच ने विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सेवानिवृत अध्यापक कुलदीप ने विद्यालय में भेंट किए 11 पंखे

संजीवनी टुडे

धनाऊ। गर्मी से विद्यार्थियों को राहत दिलाने हेतु महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय धनाऊ के सेवानिवृत अध्यापक मास्टर गिरधारी लाल कुलदीप ने विद्यालय में 11 पंखे भेंट किये व इस दौरान सपत्नी मिलकर वट-वृक्ष का रोपण भी किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उनका सम्मान भी किया। विद्यालय के संस्था प्रधान सोनाराम चौधरी ने उनका आभार प्रकट करते हुए कहा कि भामाशाह द्वारा सहयोग किया जाना विद्यालय के लिए गर्व की बात है। पंखे भेंट किए जाने से अब बच्चों को गर्मी से निजात मिलेगी। इस अवसर पर व. अ. संजय कुमार, मूली चौधरी, लहरी चौधरी, पुखराज मेघवाल, महेश कुमार, रूपेश कटारिया, अणदा राम सऊ, ओमप्रकाश, बाबूलाल, रेखा राम, जगदीश, हीराराम, बीरबल विश्नोई, भजन लाल, रमेश कुमार, मुकेश कुमार सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक, विद्यार्थी वह ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

डेटॉल स्कूल हाइजीन एजुकेशन कार्यक्रम में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

संजीवनी टुडे

जयपुर। रेकिट एवं ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड के संयुक्त तत्वावधान में डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया कार्यक्रम के तहत अध्यापकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधित मुद्दो पर जागरूक करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण में 25 स्कूलों के 50 अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांगानेर ग्रामीण के अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र यादव ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए सभी अध्यापको को स्वच्छता का महत्व बताया और इस से सम्बंधित कार्य विद्यालय में करवाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ममता संस्था के कार्य की सराहना करते हुए बताया अध्यापकों को स्वच्छता संबंधित जानकारी प्रदान करने से बच्चों और बच्चों के माध्यम से उनके परिवारों तक स्वच्छता का सन्देश पहुंचेगा और भविष्य में स्वास्थ्य में सुधार होगा। अध्यापकों ने भी उक्त जानकारी बच्चों तक पहुंचाने एवं विद्यालय में स्वच्छता का वातावरण बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में ममता संस्थान के सहायक निदेशक प्रवीर गोयल वे कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यालय में स्वच्छता का वातावरण बनाने में टीचर की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जानकारी दी । रीजनल मेनेजर डॉक्टर एमेली पॉल चौधरी व प्रोग्राम क्वालिटी ऑडिटर रविन्द्र कुशवाहा ने शिक्षकों को स्वच्छता पर मोड्यूल सम्बन्धी जानकारी विस्तृत रूप से दी जिसके द्वारा अध्यापकगण विद्यालय में जाकर स्वच्छता सम्बंधी बातों से बच्चों में बदलाव लाने का प्रयास करेंगे। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉक्टर गौरीका सक्सेना ने कार्यक्रम के तहत दूषित पानी से फैलने वालें किटाणुओं, मक्खियों द्वारा रोग संचार, बेहतर हाथों की सफाई एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बताए गए हाथ धोने के तरीके के बारे में बताया। सीनियर प्रोग्राम मेनेजर शिल्पा जैन ने प्रशिक्षण में आए सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं को ममता संस्थान की तरफ से धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण में ममता संस्था से ब्लॉक कोर्डिनेटर शिव कुमार जाट, सोनिया शर्मा, प्रोग्राम मेनेजर यादवेंद्र एवं निशा मौजूद रहे।

राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ के.एल. मीना ने की। इस अवसर पर डॉ आंचल मीना ने राजनीति विज्ञान विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ अनिल कुमार शर्मा ने राजनीति विज्ञान विषय के विभिन्न प्रश्न पत्रों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में इनकी उपयोगिता से अवगत कराया। डॉ प्रकाश चंद मीना ने भारतीय राजव्यवस्था पर विचार व्यक्त किए। डॉ रजनी मीना ने राजनीति विज्ञान विषय के महत्व को अधिकारों एवं कर्तव्यों से जोड़ते हुए एक अच्छे नागरिक बनने में इस विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ भगत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान परिषद की गतिविधियों से अवगत करवाते हुए आगामी वर्ष में इनमें भाग लेने के लिए कहा। डॉ देशराज वर्मा एवं डॉ अशोक मीना ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। अन्त में डॉ भगतसिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्या भारती के संस्कृति ज्ञान परीक्षा अभियान के पोस्टर का हुआ विमोचन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के बंकट की कोठी स्थित केदारनाथ धामाणी आदर्श विद्या मंदिर में निजी विद्यालय संचालकों की बैठक में विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्र संगठन मंत्री शिवप्रसाद ने विद्या भारती के लक्ष्य के संदर्भ में बैठक की। विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कारित बालक तैयार करने के लिए कार्य करती है यह कार्य अकेले विद्या भारती के विद्यालयों के द्वारा संभव नहीं है 6 वर्ष पूर्व यह विचार हुआ कि अन्य सभी विद्यालयों के साथ मिलकर कार्य किया जाए जिससे देश भर में अधिक से अधिक श्रेष्ठ बालकों का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सभी संस्थान संचालकों से अनुरोध किया कि वे सभी अपने-अपने विद्यालयों में विद्या भारती के विद्यालयों के अनुसार वंदना सभा, भारत माता, सरस्वती माता एवं ओम का चित्र, अनिवार्य शारीरिक कार्यक्रम, स्वदेशी के प्रयोग पर बल तथा संस्कृति ज्ञान परीक्षा में अपने सभी बालकों को बैठाएं। ऐसे सभी विद्यालय विद्या भारती के सम्पर्कित विद्यालयों की श्रेणी में आएंगे। इस बैठक को निजी शिक्षण संस्था संघ के जिला अध्यक्ष लोकेश मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजों के समय देश की शिक्षा के ढांचे को विकृत किया गया उन्हें यह पता था कि भारत की शिक्षा व्यवस्था से संस्कारित समाज तैयार होता है,जिससे भारत को अधिक समय गुलाम बनाए रखा जाना संभव नहीं है अतः शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त किया गया उन्होंने सभी संस्था संचालकों को आह्वान किया कि हमें नवीनतम ज्ञान देने के साथ-साथ हमारे संस्कारों की शिक्षा देने की व्यवस्थाओं को पुनः लागू करना होगा। मिश्रा ने आज समाज में आई विकृतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अभी सजग नहीं हुए तो सामाजिक तौर पर भयंकर दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा संस्कृति ज्ञान परीक्षा अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया। कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य राव सज्जन सिंह ने सभी से आग्रह किया कि छात्रों अभिभावको को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने के लिए अधिक से अधिक संस्था इस परीक्षा में बैठने के लिए प्रेरित करें। बैठक को निजी शिक्षण संस्था संघ के तहसील अध्यक्ष मदनलाल शर्मा व डॉक्टर सवित्रा राव ने भी संबोधित किया। बैठक में विद्या भारती संस्थान जयपुर के प्रांत निरीक्षक अरुण कुमार दुबे, आदर्श शिक्षा समिति अलवर के जिला सचिव सतीश शर्मा, शिक्षक संघ के महामंत्री मोहनलाल सैनी, प्रकाश खेड़ापति,मुकेश शर्मा ,ओम प्रकाश शर्मा, सतीश सैनी, हेमंत सैनी, समिति के राहुल दीक्षित ,पंकज सौंखिया ,मुकेश चंद्र गुप्ता सहित अनेक संस्था प्रधान उपस्थित रहे। बैठक से पूर्व ब्रह्मनाद मंत्र से बैठक प्रारंभ की गई व अतिथियों का तिलक व दुपट्टे से स्वागत किया गया।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष का हुआ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मेले में पीटी हुई सरकार को बदनामी का कोई डर नहीं होता, उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस नीति की बात करने वाली प्रदेश की पर्ची वाली सरकार लंबित प्रकरणों पर कोई कार्यवाही करना ही नहीं चाहती। जूली ने युवाओं से आवाहन करते हुए कहा कि अपनी व जनता के हक की लड़ाई हमें लड़नी होगी। जूली गुरुवार को एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित हजारों युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा एनएसयूआई के नींव के पत्थर कांग्रेस पार्टी के लिए एक दिन मील का पत्थर साबित होंगे।उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी तादाद में युवा शक्ति ने एकत्रित होकर आज यह साबित कर दिया है कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को युवा शक्ति मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आज देश के जो हालात बन रहे हैं ऐसे में युवाओं की देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनाव यदि भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं करवाती है तो हमें सड़क पर आंदोलन करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के हक की लड़ाई वह सदन में लड़ेंगे और जब तक छात्र संघ चुनाव की तिथि निर्धारित नहीं की जाती तब तक हम सरकार को चैन से नहीं सोने देंगे। उन्होंने कहा कि संविधान को कमजोर करने और बदलने की साजिश रचने वाले लोगों का इलाज युवा शक्ति ने इन चुनाव में कर दिया। उन्होंने कहा कि दुकानों पर नेम प्लेट लगवाने वाले भाजपा नेताओं की सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद बोलती बंद हो गई। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायती राज चुनाव में युवाओं को अधिक से अधिक टिकट दिए जाएंगे ताकि देश का नवनिर्माण किया जा सके। शपथ ग्रहण समारोह में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना के तहत जिले से नो बालिकाओं में राजगढ़ ब्लॉक से टोड़ा जयसिंहपुरा व सकट से बालिकाओं का हुआ चयन

संजीवनी टुडे

टहला । मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना के अन्तर्गत अलवर जिले से सत्र 2023-24 में नो बालिकाओं का चयन हुआ है । ब्लॉक राजगढ़ से पात्र योग्यता में प्रथम राजकीय सीनियर स्कूल टोडा जयसिंहपुरा से सजना मीना पुत्री प्रभु दयाल मीणा व राजकीय सीनियर स्कूल सकट से बालिका सोनू मीना पुत्री हरफूल मीणा चयन हुआ है। मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना में चयन छात्रा सजना प्रतिभाशाली बालिका गरीबी रेखा से नीचे बालिका परिवार में पांच बहिनों में तीन बड़ी बहिनों से छोटी है? व पिता खेती का व्यवसाय करते है। गोरतलब है कि मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना में चयन का आधार अनाथ बालिका व ग़रीब रेखा परिवार से अध्ययन बालिका जो सरकारी विद्यालय में अध्ययन माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त पर चयन व उच्च अध्ययन स्कोलर हेतु पात्र है ।योजना में चयन बाद राजकीय से उच्च अध्ययन हेतु कक्षा 11 व 12 उत्तीर्ण पर प्रोत्साहन राशि 15 हजार रुपए एकमुश्त के रूप में भुगतान देय है इसके अलावा योजना में छात्रावास , कोचिंग संस्थान का शुल्क, शिक्षण शुल्क, स्कूल यूनिफार्म, खेलकूद सामग्री आदि हेतु एक लाख तक व्यय सरकार द्वारा योजना में भुगतान देय है। योजना के अन्तर्गत राजकीय कोलेज में अध्ययन उच्च शिक्षा स्नातक व स्नातकोत्तर तक दो लाख रुपए तक प्रोत्साहित राशि देय होती है। ग़रीब परिवार व अनाथ बालिकाओं की उच्च शैक्षणिक स्कोलर में चयन होने पर अभिभावको एवं क्षेत्रीय एजुकेशन कल्ब ने राजकीय विद्यालय के शैक्षणिक नवाचार व बालिका का धन्यवाद आभार प्रेषित किया है ।

वर्क लाइफ बैलेंस विषय पर कार्यशाला आयोजित

संजीवनी टुडे

जयपुर। गौतम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, मेंटल हेल्थ फाऊंडेशन,एवं कम्युनिटी सायकेट्री इंडियन साइकाइट्रिक समिति के संयुक्त तत्वाधान से केनरा बैंक रीजनल ट्रेंनिंग सेंटर सोडाला में 'वर्क लाइफ बैलेंस' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ अनीता गौतम ने वर्तमान समय में व्यस्त जीवन शैली एवं कार्यभार से बढ़ते तनाव एवं उसके निवारण के बारे में बताया। तनाव के कारण हमारे शरीर में कई फिजियो केमिकल बदलाव होते हैं जिनसे घबराहट, धड़कन बढ़ना, हथेली में पसीना, पेट दर्द, मितली होना, पसीना आना, थकान ,शरीर में दर्द आदि शारीरिक लक्षण दिखाई देते हैं। व्यक्ति की कार्य क्षमता, एकाग्रता, याददाश्त में कमी होती है तथा चिड़चिड़ापन, गुस्सा, अवसाद आदि समस्याएं होती हैं । कार्य स्थल के साथ-साथ सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर अनिता गौतम ने बताया कि प्राणायाम, योग ,भरपूर नींद स्वस्थ भोजन, मित्रों एवं परिवार जन से मन साझा करें, सकारात्मक सोच रखें, स्वयं पर विश्वास व समय प्रबंधन से कार्य स्थल पर होने वाले तनाव को कम किया जा सकता है। विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक कार्यशाला में उपस्थित रहे एवं रेशु कुमार जैन ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

15 किलो खराब मावा सहित कई मसाले करवाया नष्ट

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। शुद्ध आहार - मिलावट पर वारख़ अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश प्रजापत द्वारा लक्ष्मी जोधपुर स्वीट्स, बडियाल, एसएस मार्ट, बड़ियाल ,मोतीबाग मसाले प्रतिष्ठान से धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर,नमकीन आदि खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए।लक्ष्मी जोधपुर मिष्ठान भंडार पर लगभग 15 द्यद्द खराब एवम बदबूदार मावा पाया गया जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया,इसी प्रकार एस एस मार्ट पर विभिन्न ब्रांड के अवधि पार खाद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट करवाया गया,दल द्वारा खाद्य पदार्थों के कुल 5 नमूने लिए गए। जिन्हें जांच हेतु जन स्वास्थ्य प्रयोगशला भिजवाया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सीताराम मीणा ने बताया कि अभियान के तहत आमजन को शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के बारे में जानकारी दी तथा । खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य पदार्थों को खुले में नहीं रखने एवम ढक कर रखने हेतु पाबंद किया गया।

ई-रवाना एवं बकाया कर पर पेनल्टी छूट पर एमनेस्टी योजना

संजीवनी टुडे

राजसमन्द। एमनेस्टी योजना के अंतर्गत बकाया वाहन कर 31 जुलाई तक जमा कराने पर ब्याज एवं पेनल्टी में छूट मिलेगी। डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा ने बताया कि जिले में 1.13 करोड़ रुपए का कर बकाया है। 18 वाहनों पर 6.90 लाख रुपए तथा 235 वाहनों पर 106.6 लाख रुपए का कर बकाया है। इन वाहनों को योजना के अंतर्गत रियायत दी जा रही है। कई वाहन स्वामियों ने अपने वाहन नष्ट कर दिए हैं, लेकिन उनके पंजीयन प्रमाण-पत्र निरस्त नहीं करवाए हैं। इसलिए ब्याज एवं पेनल्टी बढ़ती जा रही है। इन प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर वाहन स्वामियों के अन्य वाहन जब्त किए जाएंगे। पटवारियों व तहसील कार्यालयों से इन वाहन स्वामियों की चल-अचल सम्पत्ति का पता लगाकर भू-राजस्व अधिनियम के तहत कुर्की की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसी प्रकार एमनेस्टी योजना के तहत भारी वाहनों में ई-रवाना चालान (ओवरलोड) से छूट दी गई है। 1 अगस्त से बकाया टैक्स व ई- रवाना चालान (ओवरलोड) पर नियमानुसार पूर्ण पेनल्टी व जुर्माना राशि वसूली जाएगी।

वयोवृद्ध व्याधि चिकित्सा शिविर राजकीय आयुर्वेद चिकित्स्यालय भींडर मे आयोजित

संजीवनी टुडे

भींडर उपखंड क्षेत्र के राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय भींडर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) पर दिनांक 25/7/24 को वृद्ध महिला व पुरुष 60 वर्ष से अधिक उम्र का शिविर आयोजित किया । जिसमे संधिवात, आमवात, अनिद्रा अस्थमा, कमरदर्द , उच्चरक्तचाप, मधुमेह व अन्य रोगियों की जांच व परामर्श कर दवाइयां वितरीत की गई। मौसमी बीमारियो से बचाव के उपाय की जानकारी दी । साथ ही क्वाथ वितरण एवम आयुर्वेद अनुसार दिनचर्या व ऋतुचर्या के बारे में जानकारी दी गई। जिसमे 48 रोगी लाभार्थी हुए। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रियंका मीणा व डॉ सतीश कुमार शर्मा , कम्पाउन्डर गोपाल लाल वैष्णव, परिचारक सुरेश चंद्र ने अपनी सेवाएं दी।

चिंतामणि पार्थेश्वर शिवलिंग की पूजा

संजीवनी टुडे

उदयपुर।शिव महापुराण के अनुसार सावन मास में चिंतामणि पाथेश्वर शिवलिंग पूजा का महत्व बताया गया है। इस दौरान हरिओम महिला सत्संग मंडल की महिलाओं ने महाकालेश्वर मंदिर रानी रोड उदयपुर में चिंतामणि पार्थेश्वर शिवलिंग की पूजा अर्चना मंत्रोउच्चार के साथ सावन मास मे प्रतिदिन की जाती है। पार्थेश्वर शिवलिंग की पूजा अर्चना करने से धन-धान्य आरोग्य पुत्र प्राप्ति होती है एवं भक्तों के कष्ट शारीरिक दूर होते हैं।महिला मंडल की आभा आमेटा ने बताया कि प्रतिदिन रुद्राभिषेक द्वारा चिंतामणि पाथेश्वर शिवलिंग की पूजा आचार्य द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।बहुत संख्या लोग सावन महीने में पार्थेश्वर शिवलिंग की पूजा अर्चना का लाभ लेते हैं और अपने मनवांछित फल को पाते हैं।

डिलीवरी बॉय पर जानलेवा हमले के 2 आरोपी पकड़ेः कंधे और पीठ पर किया था वार, चाकू बरामद

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी ने बताया- मामले में आरोपी भानुप्रताप सिंह (18) पुत्र विजयसिंह निवासी खेरोदा और सुरेंद्र सिंह (23) पुत्र दुल्हे सिंह निवासी प्रतापनगर को सिंह (23) पुत्र दुल्हे सिंह निवासी प्रतापनगर को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही थानाधिकारी ने बताया- सुरेन्द्र सिंह (54) ने मामला दर्ज कराया था कि 14 जुलाई 2024 को रात 12:15 बजे उन्हें कॉल के जरिए पता लगा कि उनके बेटे रविप्रताप सिंह के साथ रास्ते में मारपीट हो गई है। उसके कंधे और पीठ पर गंभीर चोट लगी। बेटे ने बताया कि डबोक से डिलीवरी बॉय का काम करके वह वापस बलीचा की तरफ जा रहा था।

खबरें फटाफट

जिले में 1090 रियायती यात्रा पास बनाए गए

संजीवनी टुडे

सलूंबर । जिले में पहल योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजन के लिए रोडवेज बसों में रियायती यात्रा सुविधा के लिए जिले की 6 पंचायत समितियो में शिविर आयोजित किए जिसमें राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम विभाग उदयपुर और सलूम्बर जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान मे यह शिविर आयोजित किए गए जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार लगने वाले इस शिविर में कुल 1090 वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनो के लिये रियायती यात्रा कार्ड बनाए गए जिससे अब वरिष्ठ नागरिकों और विशेष योग्यजन को रोडवेज किराये मे रियायत मिलेगी।

हड्डी जांच शिविरः रोगियों की जांच कर दिया परामर्श

संजीवनी टुडे

उदयपुर। आयुष विभाग उदयपुर के निर्देशन में गुरुवार को राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय आयड़ एवं डाबर कंपनी के सौजन्य से निःशुल्क हड्डी जांच शिविर लगाया गया। रोगियों की जांच कर परामर्श दिया गया। शिविर प्रभारी डॉ. मेराज डायर ने बताया कि शिविर में डॉ. संदीप रमन की टीम ने 126 रोगियों की जांच की। साथ ही चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा खान पान आदि के बारे विशेष ध्यान रखते हुए जीवनशैली में सुधार करने सुझाव दिए। इस अवसर पर कंपाउंडर बालमुकुंद शर्मा, नर्स शेफाली पारगी, डाबर प्रतिनिधि नीलेश मौजूद रहे।

शहीदों को किया नमन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। लोकजन सेवा संस्थान ने कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष प्रोफ़ेसर विमल शर्मा ने बताया कि विजय दिवस पर चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा द्वारा बनाई गई सूक्ष्म पुस्तिका का विमोचन किया गया। पुष्पांजलि में अध्यक्ष प्रो विमल शर्मा, महासचिव जय किशन चौबे, हितेश मेघवाल मौजूद थे। लायंस क्लब श्रीजी के पदाधिकारियों ने उदयपुर सैनिक छावनी में जाकर कारगिल युद्ध में मातृभूमि पर प्राण न्यौछावर करने वाले भारत माता के सपूतों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। क्लब के चार्टर अध्यक्ष लायन राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य भी मौजूद रहे।

बाल पोर्न वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, दोषी को 6 माह की कैद

संजीवनी टुडे

उदयपुर। नाई थाना क्षेत्र में बाल पोर्न वीडियो को मोबाइल में रखने और सोशल मीडिया पर शेयर करने वाले वाले दोषी को कोर्ट ने 6 माह की सजा सुनाई। प्रकरण के अनुसार नाई थाने के एएसआई अमिल लाल ने 18 दिसंबर, 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि 16 दिसंबर को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली से एसपी ऑफिस में नयाखेड़ा, टीडी निवासी शांतिलाल पुत्र चौखा के खिलाफ शिकायत मय वीडियो सीडी मिली। शांतिलाल ने अपने मोबाइल से किशोरी और एक युवक का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त किया। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक सैयद हुसैन ने आरोपी शांतिलाल के खिलाफ 7 गवाह और 16 दस्तावेज पेश किए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पॉक्सो-2 कोर्ट दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पॉक्सो-2 कोर्ट के जज संजय कुमार भटनागर ने फैसले में लिखा कि बाल पोर्नोग्राफी संबंधी अपराधों को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर अपराध माना है। पोर्नोग्राफी साइट देखना अपराध नहीं है, लेकिन 16 अगस्त 2019 को पॉक्सो अधिनियम में बदलाव के बाद बाल पोर्नोग्राफी का भंडारण करना अपराध है।

एमजी कॉलेज में अब छात्राएं 30 तक जमा करा सकेंगी फीस

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय (एमजी) में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की छात्राएं 30 जुलाई तक शुल्क जमा करवा सकेंगी। इसके साथ ही प्रवेश के लिए इस दिन तक प्रमाण पत्रों की जांच होगी। पहले अंतिम तिथि 25 जुलाई थी। वरीयता सूची और प्रथम प्रतीक्षा सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं ई-मित्र पर अपने एप्लीकेशन आईडी से प्रवेश संबंधी बधाई पत्र निकाल कर मूल प्रमाण पत्रों की जांच कराने के लिए महाविद्यालय में उपस्थित हो सकेंगी।

अवैध शराब परिवहन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

उदयपुर। अंबामाता थाना पुलिस ने अवैध रूप से बस में शराब परिवहन करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। गुजरात के एक आरोपी की गिरफ्तार शेष है। थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 29 जून को नाकाबंदी के दौरान फतेहपुरा चौराहे पर एक बस की तलाशी में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब के 9 कार्टन में 108 बोतल पकड़ी गई। इस मामले में पकड़े गए चालक और परिचालक ने यह शराब दरोली निवासी भूपेंद्र सेन की होना बताया। इस पर उसे डिटेन करके गिरफ्तार किया गया।

केदारिया के केदारेश्वर महादेव का विशाल मन्दिर, लगा रहता है श्रदालुओं को तांता

संजीवनी टुडे

बाँसड़ा। सावन के महीने में हर शिव मन्दिर में भक्तो की भीड़ रही हे ।चोरो तरफ हरियाली ही हरियाली होती हे । इस महीने भक्तो द्वारा प्रति दिन शिव मन्दिर में पूजा अर्चना की जाती है।और भोलेनाथ की प्रतिमाँ का दूध दही धी शहद से अभिषक किया जाता हे बिलपत्र से फलों से सजाया जाता। के लिए एक एसा भोलेनाथ का मन्दिर ढूढ़ा जो की एक अपने में अनुठा हे यहा हे उदयपुर जिले के भींडर तहसील के बाँसडा गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित केदारिया गांव में केदारेश्वर महादेव जो नए स्वरूप में दिखने लगा हे प्राचीन प्रतिमा मन्दिर हे लेकिन आकृति शिवलिग के आकार की पहचान बनी हे चार दिवारी को छोड कर यह मन्दिर गोलार्द लिए अन्य आकाश में झोंकता प्रतीत होता है। उदयपुर-भीण्डर-नीमच मुख्य मार्ग पर स्थित केदारिया गाँव में केदारेश्वर महादेव की महिमा अतयन्त महत्व पूर्ण हे म्यहां की सबसे बड़ी बात तो ये हे की हर प्रकार की व्याधि को दूर कर देते हे केदारेश्वर महादेव पुजारी संध्या गिरी के सानिध्य में मन्दिर की पूजा अर्चना हो रही हेम्बारह मास यहां विधिवत पूजा अर्चना होती हे यहाँ आने वाले भक्त

की हर मंशा पूरी होतीहेम् रमणीय और सुंदर केदारेश्वर महादेव की लीला ही निराली है। कहा से कैसे पहचे इस मन्दिर तक उदयपुर से चितौड़ 76नेशनल हाइवेसे भटेवर पहुचे कर भींडर मार्ग से होते हुए।बांसड़ा बस स्टेण्ड पर एक संकेत बोर्ड लगा हुआ हे वाना रोड से 1.5 किलोमीटर अंदर की तरफ मन्दिर एव सलूम्बर जाने के लिए से किरकी चोकी स्टेंड हाइवे होकर भीण्डर पहुच सकते हे जहा से केदारिया बस स्टेण्ड पर एक सकेत बोर्ड लगा हे गांव कीतरफ अंदर की ओर एक किलोमीटर मन्दिर तक और चितौड़ से उदयपुर 76

नम्बर हाइवे से वाना गांव से बाँसडा गांव के तरफ चार किलोमीटर अंदर एक सकेत बोर्ड लगा है जहा से मन्दिर स्थित हे । त्सावन महीने में प्रति सोमवार को दूर दूर से भक्त दर्शन के लिए आते हे । केदारेश्वर मन्दिर में भक्तो की भीड़ रहती हे।

आस पास में मुख्य विशेषता

यह पवित्र स्थान केदारेश्वर धाम है जिसमे कई मन्दिर हनुमान भैरव काल भैरव धूणी माता की प्रतिमाए हे महादेव मन्दिर,विश्वकर्मा मन्दिर, सेन जी महाराज का मन्दिर , हनुमान का मन्दिर आदि दर्शनीय है।गांव में चारभुजा मन्दिर ,हनुमान मन्दिर ।आस में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ० राजकीयबालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय है। त्यहॉ पर दिव्य महाकुंड है। मन्दिर के अहाते में बावड़ी हे माना जाता हे की इस का पानी चमत्कारी हे इस पानी से नहाने से कई पाप धुल जाते है और लाईलाज चम रोग ,फोडे,फुंसी ,दाद खाज खुजली भोलेनाथ की कृपा से ठिक हो जाते है ।यही कारण हे की दूर दराज सेआने वाले श्रदालु यह पर दर्शन करने आते तो साथ में केन बोतले में कुड का पानी भर क़र लेजाते हे । मन्दिर परिसद में दो कल्प वृक्ष भी हे जिसमे से एक नर व नारी का हे श्रदालु इसकी पूजा कर मनत के पिले धागे बढ़ते हे । मन्दिर के पीछे की ओर एक गार्ड है इसमे कई प्रकार के पेड पौधे बोरखे है पारस पीपल एक रुद्राक्ष आदि । वैशाख पूर्णिमा को दो दिवसीय का मेले केदारेश्वर महादेव मन्दिर प्रागण में प्रति वर्ष वैशाक पूर्णिमा को दो दिवसीय का मेले का आयोजन किया जाता।मेले में आस पास के दर्जनों गाँवो के श्रृद्धालु आते हे ।मेले इनामी ड्रा भी रखा जाता है । महाशिव रात्रि पर भजन कीर्तन । फाल्गुन के महीने में महाशिव रात्रि पर शिव जी का अभिषक किया जाता और रात्रि में भजन किर्तन किया जाता हे। महा आरती कर प्रसाद वितरण किया जाता हे।

भींडेश्वर महादेव मंदिर में आंगी के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु

संजीवनी टुडे

भींडर। भींडेश्वर महादेव मंदिर में गुरुवार को सावन मास की प्रथम आंगी धराई गई। आंगी के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर में सावन माह में रोजाना विभिन्न आंगी होती है। इनके दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। महादेव मंदिर ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि प्रति वर्ष श्रावण मास की चतुर्थी से शिवजी की विशेष आंगी शुरू होती है, जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग रूप के दर्शन होते हैं। इस माह भींडेश्वर महादेव मंदिर में मेले जैसा माहौल रहता है। भाद्रपद पंचमी पर आंगी का समापन होता है।

चोरों ने 4 घरों व 2 मंदिरों को बनाया निशाना, जेवर और नकद राशि चुराई

संजीवनी टुडे

गोगुंदा।गोगुंदा थाना क्षेत्र के भूताला गांव में बुधवार रात को अज्ञात चोरों ने 4 मकानों सहित 2 मंदिरों से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पहले गांव में स्थित भैरूजी मंदिर के ताले तोड़े। यहां कटर से दानपेटी को काटकर उसमें पड़ी रकम चुरा ली। ग्रामीणों ने बताया कि दानपेटी में नियमित चढ़ावा आता है। पुजारी ने दानपेटी में करीब 50 हजार रुपए होने की बात कही। इसके बाद चोरों ने भूताला बस स्टैंड के समीप स्थित मोहन सिंह, मोहन गमेती, सोहन सिंह और पिंटू के घर के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर व नकदी चुरा ली। चोरों ने समीपवर्ती पांचावतों की भागल में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वहां वली वाले भैरूजी के मंदिर के दानपात्र को तोड़कर 5 हजार रुपए चुरा लिए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की। लगातार हो रही चोरी की वारदातों पर आक्रोश व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस नियमित गश्त नहीं करती है। उन्होंने रात्रिगश्त करने की मांग की है।

मकान की दूसरी मंजिल तक पहुंचा कोबराः 5 फीट लंबा सांप देखकर परिवार में मचा हड़कंप, स्नेक कैचर ने सुरक्षित जंगल में छोड़ा

संजीवनी टुडे

राजसमंद।राजसमंद जिले के फरारा पंचायत के दोवड़ गांव में एक मकान में कोबरा सांप आने से हड़कंप मच गया। घर में अचानक 5 फीट लंबार सांप के दिखने से परिवार में दहशत फैल गई। गांव में मिठू सिंह के मकान की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में अचानक सांप दिखाई दिया। इसके बाद परिवार के दूसरे सदस्यों में हड़कंप मंच गया। बाद में घर वालों ने पीपरड़ा के

स्नेक कैचर नवीन गहलोत को सूचना दी। इसके बाद गहलोत अपनी टीम मेंबर अनिल, यशवंत, राजू के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में टीम की मदद से कमरे से सांप को सुरक्षित रूप से पकड़ कर फोरेस्ट गार्ड किशन गायरी को सूचित कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा। जानकारी के अनुसार पकड़ा गया सांप कोबरा प्रजाति का था और 5 फीट लम्बा था। सांप के पकड़े जाने के बाद घरवालों ने राहत की सांस ली।

नकाबपोश बदमाशों ने किया बैंककर्मी को किडनैप करने की कोशिशः युवक को कार से फेंक कर भागे बदमाश

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़।चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला क्षेत्र में एक बैंक कर्मी को चार नकाबपोश बदमाशों ने चाकू की नोंक पर किडनैप करने की कोशिश की। रास्ते में राहगीरों की कोशिश के चलते नकाबपोश बदमाश बैंक कर्मचारी को बीच रास्ते में ही छोड़ कर चले गए। युवक अपने घर से बाइक पर बैंक जा रहा था। नकाबपोश बदमाश एक कर में सवार होकर आए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी। निंबाहेड़ा के लसडावन निवासी नाना लाल बसवाल ने बताया कि उनका बेटा रवि प्रकाश बसवाल (29) डूंगला थाना क्षेत्र के कानोड़ गांव के एसबीआई बैंक में असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है। कुछ दिनों से रवि प्रकाश मेडिकल इमरजेंसी के कारण अपने घर आए हुए थे। आज सुबह जब वह बाइक लेकर बैंक के लिए निकले तो चिकारड़ा के आगे शनिमहराज मंदिर और डूंगला के बीच सुनसान सड़क पर पीछे से एक कार

आई। कार में चार नकाबपोश व्यक्ति एक कार आई। कार में चार नकाबपोश व्यक्ति बैठे हुए थे।

कार चालक ने बाइक के आगे कर लगा दी। फिर कार से दो नकाबपोश बदमाश नीचे उतरे और चाकू की नोंक पर जबरदस्ती रवि प्रकाश को कार में बैठा लिया। कार में बदमाशों ने रवि प्रकाश को मार डालने की धमकी देते हुए एक रस्सी से उसके हाथ-पांव बांध दिए। साथ ही मुंह में कपड़ा लपटने वाले थे कि इतने में रवि जोर से चिल्लाया। पास में ही कुछ बाइक सवार राहगीर जा रहे थे, जिन्होंने रवि की आवाज सुन ली। राहगीर कार का पीछा करने लगे और चलती बाइक से ही पुलिस को फोन भी लगाया। जब बदमाशों को इस बात की भनक लगी की राहगीर लगातार पीछा कर रहे हैं तो उन्होंने रवि का पर्स और मोबाइल छीन कर उसे कार के बाहर फेंक दिया। रवि को राहगीरों ने लिफ्ट दी और उसे उसकी बाइक तक छोड़ा। रवि प्रकाश अपनी बाइक लेकर वापस अपनेरवि प्रकाश अपनी बाइक लेकर वापस अपने बैंक पहुंचे और सारी बात अपने ब्रांच मैनेजर को बताई। बैंक में ड्यूटी करने के बाद वे डूंगला थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज करवाई। रवि प्रकाश के पर्स में 5 से 6000 रपए और डॉक्यूमेंट थे, जो बदमाश लूट कर ले गए। राहगीरों की समझदारी और कोशिशों के चलते एक बड़ी वारदात नहीं हो पाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

नथ तोड़कर भाग रहे बदमाश को महिला ने दबोचा: कॉलर पकड़कर बाइक से गिराया, ग्रामीणों ने पोल से बांधा

संजीवनी टुडे

उदयपुर।बकरियां लेकर खेत पर जा रही महिला की 2 बदमाशों ने नथ छीनने की कोशिश की। हिम्मत दिखाते हुए महिला ने पीछे बैठे बदमाश को कॉलर पकड़ कर गिरा दिया। यह देख दूसरा बदमाश अपने साथी को छोड़ भाग निकला। महिला का शोर सुनकर ग्रामीण इकठ्ठा हुए और पकड़े गए बदमाश की जमकर धुनाई कर दी। पुलिस के आने तक उसे पोल से बांधकर पीटते रहे।मामला फतहनगर थाना इलाके का खेमपुर ग्राम पंचायत का शाम

4 बजे का है। खेमपुर सरपंच बाबूलाल गाडरी ने बताया कि कंकू बाई (40) खेत पर बकरियां लेकर जा रही थी। तभी महिला के सामने से बाइक सवार दो बदमाश आए। वे महिला से बोले- हमें बकरा खरीदना है कितना का दोगी। महिला ने मना कर दिया। इसके बावजूद बदमाश बाइक मोड़ कर वापस आए और बकरा बेचने की बात कहने लगे। इतने में ही पीछे बैठे बदमाश ने झपट्टा मारकर नथ छीन ली। महिला ने भी तुरंत फुर्ती दिखाते हुए बाइक चला रहे बदमाश की कसकर कॉलर पकड़ ली। पहले ने बाइक दौड़ाई तो पीछे बैठा उसका साथी गिर गया। इसके बाद आसपास कंकु बाई का शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए और पकड़े गए आरोपी को पीटकर पोल से बांध दिया। इसके कुछ देर बाद फतहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी अशरफ अली को गिरफ्तार कर लिया है जबकि उसका साथी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

पिता-पुत्र पर तलवार से हमला, शिक्षक बेटे की गर्दन कटी, मौके पर ही मौत, एक घंटे तक नहीं पहुंची पुलिस

संजीवनी टुडे

सराड़ा। सलूंबर जिले के जावरमाइंस थाना क्षेत्र के अदवास में गुरुवार को घर पर बैठे पिता और शिक्षक बेटे पर हमलावर ने तलवार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसमें बेटे शंकर लाल मेघवाल (40) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिता डालचंद मेघवाल (60) को गम्भीर घायल अवस्था में 108 एंबुलेंस ते उदयपुर एमबी अस्पताल पहुंचाया गया। वारदात की सूचना देने के बाद भी 1 घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। वहीं आला अधिकारी 2 घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचे। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक की पत्नी ललिता मेघवाल ने बताया कि शाम करीब 7:05 पर गांव का ही फतेह सिंह पुत्र देवी सिंह हाथ में तलवार लेकर घर पर पहुंचा। घर के बाहर चौकी में पति और ससुर बैठे हुए थे। आरोपी ने उन पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे पति की गर्दन कट गई और पेट पर गंभीर घाव लगे और ससुर का हाथ कट गया। आरोपी के साथ किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं होना बताया। मृतक के दो साल का लड़का और एक लड़की 5 व दूसरी 9 साल की है। वारदात के दौरान लड़का मृतक के पास

में बैठा था। मृतक सलूंबर ब्लॉक के पारी प्राथमिक स्कूल में कार्यरत था। देरी से पुलिस प्रशासन के पहुंचने से ग्रामीणों में रोष : वारदात के बाद 7:10 पर पुलिस प्रशासन को सूचना दे दी गई थी, लेकिन कोई आला अधिकारी 1 घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचा। पलोदड़ा चौकी से पुलिस गश्त की गाड़ी लेकर पहुंची और शव को लेकर रवाना हुई। इसके बाद 9 बजे तक पुलिस का कोई आला अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि हत्या का आरोपी दिन भर तलवार लेकर क्षेत्र में घूमता हुआ नजर आया। शिक्षक शंकरलाल शाम को अपने मित्रों के साथ क्रिकेट खेल कर घर पहुंचा। इसके बाद चुपके से वहां पहुंचकर आरोपी ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद गांव में भय का वातावरण हो गया। ग्रामीण घर में दुबकते हुए नजर आए। बाहर कोई निकलने को तैयार नहीं था। यहां तक की पीड़ित परिवार की महिलाएं वारदात को लेकर विलाप करते हुए नजर आई। उन्हें कोई सांत्वना देने को भी नहीं पहुंचा, जबकि गांव में करीब 5000 की आबादी है। वारदात के बाद देर रात तक पुलिस आरोपी को उसके घर के आसपास लोकेशन के आधार पर ढूंढती रही, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद तलवार और कुल्हाड़ी लेकर जाता हुआ नजर आया। वारदात में काम में ली गई तलवार की म्यान पुलिस ने मौके से जब्त की। मौके पर जावरमाइंस थाना अधिकारी पवन सिंह, जावद चौकी प्रभारी विक्रम सिंह, अतिरिक्त पुलिस जाप्ता, राजस्व अधिकारी मेवाराम मीणा, पटवारी ललित कुमार पटेल, मनोज कुमार मीणा घटनास्थल पर पहुंचे। अदवास वारदात के बाद मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़।

सैनिक स्कूल में कैडेटस को कर्तव्य निर्वहन करने की दिलाई शपथ

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ सैनिक स्कूल के शंकर मेनन सभागार में हुए समारोह में स्कूल एवं हाउस वाईस कैप्टेन्स को रैंक प्रदान की गई। मुख्य अतिथि स्कूल के प्राचार्य कर्नल अनिलदेवसिंह जसरोटिया थे। उपप्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल पारुल श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। पीआरओ बाबूलाल शिवरान ने बताया कि समारोह की शुरुआत स्कूल गीत से हुई, जिसके बाद कैडेटों ने औपचारिक मार्च पास्ट किया। पीआरओ बाबूलाल शिवरान ने बताया कि समारोह की शुरुआत स्कूल गीत से हुई, जिसके बाद कैडेटों ने औपचारिक मार्च पास्ट किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्नल अनिल देव सिंह जसरोटिया ने नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्र की सेवा के मूल्यों पर जोर देते हुए एक प्रेरक भाषण दिया।

मुख्य अतिथि ने नवनियुक्त कैडेट्स को बधाई दी और उन्हें उदाहरण पेश करने के लिए प्रोत्साहित कर टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया और सभी कैडेटों से शैक्षणिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। कैडेटों को विभिन्न नेतृत्व पदों जैसे स्कूल वाइस-कैप्टन, हाउस वाइस कैप्टन और प्रिफैक्ट पर नियुक्त किया गया। प्रत्येक नियुक्त कैडेट्स को सम्मान का बैज प्राप्त हुआ। उसने परिश्रम और निष्ठा के साथ स्कूल के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली। समापन स्कूल कैप्टन ने आभार जताया। चित्तौड़गढ़. कैडेटस को शपथ दिलाते हुए प्राचार्य।

सावन में ठाकुरजी के मंदिरों में हो रहे हिंडोरना मनोरथ, कभी साग-सूखे मेवे का तो कभी कांच-सुरंगी का शृंगार

श्रावण कृष्ण पक्ष एकम से शुरू हुआ कृष्ण मंदिरों में विशेष हिंडोरना मनोरथ, मनोरथी के अनुसार होता है हिंडोरना शृंगार

संजीवनी टुडे

उदयपुर।श्रावण कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से जहां एक ओर शिवालयों में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक, रूद्राभिषेक होते हैं, वहीं, ठाकुरजी के मंदिरों में हिंडोलने के मनोरथ शुरू होते हैं। ये मनोरथ कृष्ण की प्रौढ़ लीलाओं पर होते हैं। इसके तहत शहर के प्रमुख जगदीश मंदिर, विट्ठलनाथ मंदिर में हिंडोरना मनोरथ शुरू हुए हैं। इसमें हर दिन विविध सामग्रियों से नित नए शृंगार किए जाते हैं और भक्त दर्शनों के लिए आते हैं।

22 अगस्त तक चलेंगे हिंडोरना मनोरथ

कोलपोल स्थित प्राचीन विट्ठलनाथ मंदिर में श्रावण कृष्ण एकम से हिंडोरा (झूला) मनोरथ प्रारम्भ हो गए, जो 22 अगस्त तक चलेंगे। पूरे मास प्रभु को विविध हिंडोरा जैसे सुरंगी हिंडोरा ,चन्दन पत्ती का हिंडोरा ,कांच का हिंडोरा ,फूल पत्ती का हिंडोरा आदि कई अद्भुत मनोरथ द्वारा लाड़ लड़ाए जाएंगे। मंदिर के सेवक मोहित मेहता ने बताया कि सावन में दो तरह के हिंडोरना होता है। इसमें एक नित्य हिंडोरना, जिसमें

ठाकुरजी झूलते हैं और दूसरा हिंडोरना जो शयन का होता है, वो मनोरथ का होता है। इससे मनोरथी अपने मनोरथ पूर्ण करते हैं। इसमें मनोरथी के अनुसार अलग-अलग सामग्री विशेष आती है, उसी से हिंडोरना मनोरथ किया जाता है। इस मौके पर हवेली संगीत में अलग-अलग प्रकार के कीर्तनों में लीलाओं का वर्णन होता है, जैसे हिंडोरा रोपयो, यमुनाजी के तट पर३ ब्रज सखियां झुलावत वन में३जैसे गीत गाए जाते हैं।

भक्त या मनोरथी मंदिर में करवा सकते हैं हिंडोरना मनोरथ

इसी तरह जगदीश मंदिर में भी नित नए और मनोहर झूले बन रहे हैं। विनोद पुजारी ने बताया कि इसमें भक्तों के मनोरथ के अनुसार व विशेष पर्व व त्योहार के अनुसार भी शृंगार किया जाता है। जैसे हरियाली तीज पर हरा शृंगार किया जाता है, वहीं सावन के अनुसार लहरिया शृंगार व अन्य शृंगार किए जाते हैं। बुधवार का लहरिया तीज उत्सव मनाया गया, जिसमें लाल व सफ़ेद लहरिये से झूले का शृंगार हुआ। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू के अनुसार, सावन में वैष्णव मंदिरों में हिंडोले में लड्डू गोपाल के विग्रह को झूला देने के लिए श्रद्धा उमड़पड़ती है। सावन के कजरारे पक्ष से ही हिंडोले शुरू होते हैं। श्रीनाथजी के मंदिर में तो हिंडोल विजय होने तक नित्य उत्सव होते हैं। अनेक हिंडोला कीर्तन राग मेघ, मल्हार, हिंदोल आदि रागिनियों में गाए जाते हैं। हिंडोरना मनोरथ करवाने के लिए मंदिर में ही संपर्क कर कोई भी भक्त या मनोरथी हिंडोरना मनोरथ करवा सकते हैं।

इस तरह के शृंगार के होते हैं हिंडोरना

फल-फूल का हिंडोरा
सूखे मेवे का हिंडोरा
कांच का हिंडोरा
चंदन पत्ती का हिंडोरा
फूल पत्ती का हिंडोरा
गिरिराजजी का हिंडोरा
यमुना पुलिन का हिंडोरा
सुरंगी वस्त्र का हिंडोरा
मचकी का हिंडोरा
लहरिया वस्त्र का हिंडोरा
साग भाजी का हिंडोरा

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

एक और क्रूर घटना से संवेदनाएं कांप गयी

मध्य प्रदेश में रीवा जिले के पड़री गांव में एक गरीब मजदूर का हाथ इसलिये काट दिया गया कि उसने अपनी मेहनत का मेहनताना मांगा। इस क्रूर, बर्बर एवं हिंसक घटना ने समूचे राष्ट्र को झकझोर दिया है। एक मजदूर पर जानलेवा हमला करने और उसका हाथ काट देने की यह घटना किसी भी संवेदनशील समाज को दहला देने के काफी है, नया भारत को बनाते हुए ऐसी शर्मसार करने वाली घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा प्रतीत होता है कि अर्थ, सत्ता एवं वर्चस्व की होड़ में रोटी महंगी एवं मनुष्य सस्ता हो गया है। इंसान एवं इंसानियत के बीच अहंकार की दीवारें तमाम मानवीयता के नारों के बीच आज भी खड़ी है। इस अमानवीय घटना ने अनेक प्रश्न खड़े कर दिये हैं। कहां खो गई मानवीय संवेदनाएं? कैसे अर्थहीन हो गया जीवन-मूल्यों एवं संवेदना का अस्तित्व? कैसे बदल गई समता एवं सह-जीवन की जीवन-शैली? कहां है कमजोर तबकों के प्रति परोपकार का नजरिया? पड़री गांव की इस घटना ने आधुनिक समाज की बर्बर सोच को ही उजागर किया है। इससे यह अंदाजा लगता है कि आज भी देश में कमजोर एवं गरीब तबकों के लोगों को अपना हक मांगने पर अक्सर कैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। गांव में राजमिस्त्री का काम करने वाले एक दलित मजदूर ने सिर्फ अपने काम की मजदूरी मांगी और काम कराने वाले व्यक्ति ने इसके बदले उस पर तलवार से हमला कर दिया। उस समय मजदूर की जान तो किसी तरह बच गई, लेकिन तलवार के वार से उसका हाथ कट कर अलग हो गया। बुरी तरह घायल अवस्था में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। यह घटना बताती है कि आज भी ग्रामीण इलाकों में किस तरह की सामंती प्रवृत्तियां अपने बर्बर, क्रूर एवं अमानवीय रूप में काम करती रहती हैं। इस मामले में संतोषजनक पहलू बस यह रहा कि खबर मिलने के बाद पुलिस महकमे ने जरूरी सक्रियता बरती और वक्त पर कार्रवाई करके आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही पीड़ित मजदूर का छिपाया गया कटा हाथ खोज कर अस्पताल पहुंचाया और डाक्टरों से जोड़ने की कोशिश करने का आग्रह किया। कितनी अर्थहीन बात लगती है कि मुर्गा यह समझ बैठे कि सूरज सिर्फ उसकी बांग सुनने के लिये ही उगता है। ठीक इसी तरह कितना अहंकारी, स्वार्थी एवं मदहोशी बन गया है इंसान कि उसे किसी दूसरे इंसान के जीवन का कोई महत्व ही नजर नहीं आता। इसलिये वह औरों को अधिकारों से वंचित रखता है, अपनी मनमर्जी करता है। स्वयं की अस्मिता को ऊंचाइयां देने एवं अहंकार को पोषित करने के लिये गरीब, अभावग्रस्त एवं कमजोर के श्रम का शोषण करते हुए उन पर अत्याचार करता है। उसकी अन्तहीन महत्वाकांक्षाएं मानवीयता तक को जख्मी बना रही है। यह घटना बताती है कि झूठी श्रेष्ठता के भ्रम से उपजे दंभ में व्यक्ति किस हद तक क्रूर हो जा सकता है। सवाल है कि एक मजदूर से काम कराने वाले किसी व्यक्ति के भीतर ऐसी संवेदनहीनता, शोषण एवं क्रूर अत्याचार करने की प्रवृत्ति का स्रोत क्या है और मजदूरी या हक मांगने पर किसी की हत्या तक कर डालने का दुस्साहस कहां से आता है? निश्चित रूप से इस तरह का सामंती और क्रूर बर्ताव करने वाले व्यक्ति को भी यह पता होगा कि उसकी ऐसी हरकत के बाद कानून के कठघरे में उसका क्या होगा? कितनी विचित्र बात है कि ऐसे सामंती प्रवृत्ति के लोग चाहकर भी अहं को झुका नहीं पाते। जानते हुए भी कि एकपक्षीय पकड़ एवं संवेदनहीनता जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति को अकेला कर देती है, कानून की पकड़ उसे सजा भोगने को अग्रसर कर देती है फिर भी वह इंसानियत को नहीं अपना पाता, औरों के अस्तित्व को स्वीकृति नहीं दे पाता और न ही बुराइयों के आने का रास्ता रोक पाता है। इसी मानवीय दुर्बलता ने मनुष्य के विकास एवं एक आदर्श मानवीय संरचना को जंग लगा दिया है। उसकी यह दुर्बलता रही है कि उसे कभी अपनी भूल नजर नहीं आती जबकि औरों की छोटी-सी भूल उसे अपराध लगती है। ऐसे में आज कहां सुरक्षित रह पाया है ईमान एवं इंसानियत के साथ इंसान तक पहुंचने वाली अमीरी एवं सत्ता के वर्चस्व का आदर्श? जीवन मूल्यहीन एवं दिशाहीन हो रहा है। हमारी सोच जड़ हो रही है। अनेक कानूनों, मानवाधिकारों एवं समतामूलक समाज के नारों पर आज राष्ट्रीय स्तर पर बहस हो रही है। पर कौन लगाम लगायेगा इन क्रूर एवं बर्बर घटनाओं पर? कौन मंथन करेगा इस विष एवं विषमता को निकालने के लिये? यह कैसा अहंकारी समाज बन रहा है जहां अमीर गरीबों पर लगातार अत्याचार कर रहा है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

जनसंख्या नियंत्रण के लिये आम सहमति बने

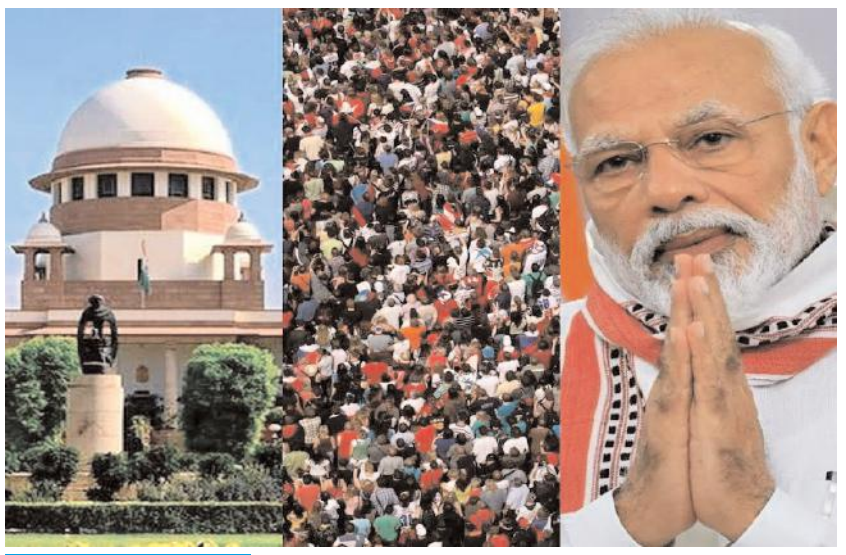

प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। बढती आबादी जिसे जनसंख्या विस्फोट का नाम दिया जाता हैं। यह भारत और सम्पूर्ण विश्व समुदाय के लिए आने वाली सबसे विकट समस्याओं में से एक हैं। अत्यधिक तेज गति से बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ही यह दिवस मनाया जाता है। यह जागरूकता मानव समाज की नई पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने का संदेश देती है। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, प्रदूषण मुक्त वातावरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाएँ भविष्य में देने के लिए छोटे परिवार की महती आवश्यकता निरन्तर बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन कर मानव समाज को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने और हर इंसान के भीतर इन्सानियत को बरकरार रखने के लिए यह बहुत जरूरी हो गया है कि 'विश्व जनसंख्या दिवस' की महत्ता को समझा जाए।

भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा होनेवाली है। निकट भविष्य में हम चीन को पीछे छोड़ कर 150 करोड़ के आंकड़े को छू लेने वाले है। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी का देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कानूनी तरीका एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता। भारत की स्थिति चीन से पृथक है तथा चीन के विपरीत भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में कानून का सहारा लेने के बजाय जागरूकता अभियान, शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर तथा गरीबी को समाप्त करने जैसे उपाय करके जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रयास होने चाहिये। परिवार नियोजन से जुड़े परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये तथा ऐसे परिवार जिन्होंने परिवार नियोजन को नहीं अपनाया है उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार नियोजन हेतु प्रेरित करना चाहिये। बेहतर तो यह होगा कि शादी की उम्र बढ़ाई जाए, स्त्री-शिक्षा को अधिक आकर्षक बनाया जाए, परिवार-नियंत्रण के साधनों को मुफ्त में वितरित किया जाए, संयम को महिमा-मंडित किया जाए और छोटे परिवारों के लाभों को प्रचारित किया जाए। शारीरिक और बौद्धिक श्रम के फासलों को कम किया जाए।

भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं

विचार बिन्दु

इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सीरिया, ईरान, यू.ऐ. ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने-अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं। फिर भी विश्व में भूमि व प्रकृति का अनुपात प्रति व्यक्ति संतुलित न होने से पृथ्वी पर असमानता बढ़ने के कारण गंभीर मानवीय व प्राकृतिक समस्याएं उभर रही है। सभी मानवों की आवश्यकता पूर्ण करने के लिए व्यावसायीकरण बढ़ रहा है।

ललित गर्ग

और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि ह्लजिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।''जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा हैं कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय-धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर स्वाभाविक रूप से अपने मताधिकार कोष को बढ़ाने के लिए भी सक्रिय हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का ह्लजनसंख्या जिहादङ्क है क्योंकि इसके पीछे इनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि हमारे धर्मनिरपेक्ष देश का इस्लामीकरण किया जाये।

इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सीरिया, ईरान, यू.ऐ. ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने-अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं। फिर भी विश्व में भूमि व प्रकृति का अनुपात प्रति व्यक्ति संतुलित न होने से पृथ्वी पर असमानता बढ़ने के कारण गंभीर मानवीय व प्राकृतिक समस्याएं उभर रही है। सभी मानवों की आवश्यकता पूर्ण करने के लिए व्यावसायीकरण बढ़ रहा है। बढ़ती हुई जनसंख्या संसाधनों को खा रही है। औद्योगीकरण होने के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है व बढ़ती आवश्यक वस्तुओं की मांग पूरी करने के लिए मिलावट की जा रही है। जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त वायु प्रदूषण, कूड़े-कर्कट के जलने पर धुआं, प्रदूषित जल व खाद्य-पदार्थ, घटते वन व चारागाह, पशु-पक्षियों का संकट, गिरता जल स्तर व सूखती नदियां, कुपोषण व भयंकर बीमारियां, छोटे-छोटे झगड़ें, अतिक्रमण, लूट-मार, हिंसा, अराजकता, नक्सलवाद व आतंकवाद इत्यादि अनेक मानवीय आपदाओं ने भारत भूमि को विस्फोटक बना दिया है। फिर भी जनसंख्या में बढ़ोत्तरी की गति को सीमित करने के लिए सभी नागरिकों के लिए कोई एक समान नीति नहीं हैं। प्राप्त आंकडों के अनुसार हमारे ही देश में वर्ष 1991, 2001 और 2011 के दशक में प्रति दशक क्रमशः 16.3, 18.2 व 19.2 करोड़ जनसंख्या और बढ़ी है। जबकि उपरोक्त वृद्धि के अतिरिक्त बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार आदि से निरंतर आने वाले घुसपैठिये व अवैध व्यक्तियों की संख्या भी लगभग 7 करोड़ होने से एक और गंभीर समस्या हमको चुनौती दे रही है। इन अराजक होती स्थितियों को नियंत्रित करके ही हम जनसंख्या विस्फोट की समस्या से मुक्ति पा सकते हैं।

इसके विपरीत किसी देश में युवा तथा कार्यशील जनसंख्या की अधिकता तथा उससे होने वाले आर्थिक लाभ को जनसंख्या के लाभ के रूप में देखा जाता है। भारत में मौजूदा समय में विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या युवाओं की है, यदि इस आबादी का उपयोग भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने में किया जाए तो यह भारत को लाभ प्रदान करेगा। किंतु यदि शिक्षा गुणवत्ता परक न हो, रोजगार के अवसर सीमित हों, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुरक्षा के साधन उपलब्ध न हों तो बड़ी कार्यशील आबादी एक अभिशाप का रूप धारण कर सकती है। अतः विभिन्न देश अपने संसाधनों के अनुपात में ही जनसंख्या वृद्धि पर बल देते हैं। भारत में वर्तमान स्थिति में युवा एवं कार्यशील जनसंख्या अत्यधिक है किंतु उसके लिये रोजगार के सीमित अवसर ही उपलब्ध हैं। ऐसे में यदि जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित न किया गया तो स्थिति भयावह हो सकती है। इसी संदर्भ में हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसंख्या नियंत्रण की बात कही है। यह ऐसी समस्या है जिसे धर्म, जाति, सम्प्रदाय के संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। जनसंख्या वृद्धि एक नयी चुनौती बनकर हमारे सामने आई और आज भी इस पर काबू पाने में सरकार को कठिनाई हो रही है। जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम देश को भोगने पड़ रहे हैं। अधिक जनसंख्या के कारण बेरोजगारी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी है। लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। यदि जनसंख्या विस्फोट यूं ही होता रहा तो लोगों के समक्ष रोटी कपड़ा और मकान की विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोकें। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी। सरकार को इस विशेष अवसर पर सबकी सहमति से जनसंख्या नियंत्रण पर कानून का निर्धारण करना चाहिए।

मूर्ति स्थापित न करके एक पत्थर को लोग क्यों पूजते हैं शनिदेव के स्थान पर?

महीने के चारों शनिवार और अमावस्या के दिन यहां सुबह से ही भक्तों का जमावड़ा लगा होता है। शनिदेव महाराज के दर्शन के समय मंदिर में जाते समय सामने की तरह ही देखें, पीछे मुड़ने पर मनाही है तथा मंदिर के अंदर केवल पुरुषों का जाना ही अनिवार्य है महिलाएं बाहर से ही पूजा पाठ करती है। एक ऐसा शहर जहां लोगो के घरों में कभी ताला नही लगाया गया, हर समय वहां लोगो ने खुद को सुरक्षित महसूस किया। आज हम बात कर रहे है मुम्बई के अहमदनगर ज़िला में स्थित प्राचीन शनि मंदिर ''शनि शिंगणापुर'' की। माना जाता है कि शिंगणापुर गांव में कभी भी एक सामान तक की चोरी नहीं हुई, शनि महाराज की यहां अपार कृपा है जो सालों से इस गांव के लोगों पर बरस रही है। मनुष्य के जीवन में दुःखों की समस्या हर समय रहती है, यदि अगर आपने एक बार भी इस प्राचीन मंदिर में शनि महाराज के दर्शन पा लिए तो जीवन मे तमाम उलझनों से आपको मुक्ति मिल जाएगी।

पुरानी मान्यताओं के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि तकरीबन 300 साल पहले इस गांव में भयंकर बाढ़ आई, तेज़ बारिश से पेड़-पौधे तक टूट गए, जब तबाही रुकी तब लोग अपने घरों से बाहर निकले ख़ौफ़नाक मंज़र देखने। उन्ही में से एक व्यक्ति गांव से थोड़ा आगे तक आ गया, तभी उसने रास्ते के बीचों-बीच एक अजब तरह का पत्थर देखा। विशाल आकृति का वो पत्थर मानों कभी ऐसी मूरत ही ना देखी हो। कुछ देर आसपास देखने के बाद उस व्यक्ति के दिल मे लालच आया इस पत्थर के प्रति, तब उसने उस पत्थर पर कील-हथौड़े से वार किया, हथौड़े के पहले ही वार से उस पत्थर में से खून निकलने लगा, यह देख के वह व्यक्ति डर गया और वापिस गांव जा के सबको यह आपबीती बताई। गांव के लोग उस विशाल आकृति को देखने गए और ऐसी अजीब तरह का पत्थर देख के सब भयभीत हो गए। उसी रात को गांववासियों में से किसी एक को स्वप्न में शनिदेव के दर्शन हुए, उन्होंने बताया कि जिस विशाल आकृति को देख के तुम सब भयभीत हुए वो मैं ही हूं, मेरी ही छवि है वो, उसको तुम स्थापित करो।

बस इतना कहकर शनिदेव अंतरध्यान हो गए। दिन निकलते ही जब उस गांववासी ने सारी बात गांव में बताई तो सब एकजुट होकर विशाल आकृति को लेने पहुंच गए, किंतु कड़ी मशक्कत के बाद भी जब वह पत्थर अपने स्थान से हिला ही नहीं। सब थककहार के वापिस गांव चले गए। उसी रात फिर शनिदेव जी दुबारा सपने में आए और उन्होंने बताया कि किस प्रकार वह आकृति अपने स्थान से हिलेगी। मामा-भांजे की जोड़ी ये लक्ष्य पूरा कर सकती है। यानी कि उस आकृति को हिलाकर उसको उसके नए स्थान पर लगाने के लिए मामा-भांजे की जोड़ी का होना आवयश्क है उनके ही माध्यम से मेरी छवि एक नई जगह स्थान स्थापित करेगी। शिंगणापुर गांव की सुबह होते ही उस गांववासी ने सारी क्रियाएं बाकियों के सामने रखी, तब मामा-भांजे की जोड़ी मिल कर कार्य करने में सफल हुए।

शिंगणापुर गांव में पड़ने वाली सूर्य की पहली किरण के स्थान पर उस आकृति को प्राण-प्रतिष्ठा के साथ स्थापित किया गया। तब शनिदेव जी ने सबको आशीर्वाद दिया और वरदान दिया कि इस गांव की रक्षा अब मेरे हेतु मेरे द्वारा की जाएगी उसके पश्चात ही सभी शिंगणापुर वासियों ने यह प्रण लिया कि आज से किसी के भी घर मे मुख्य दरवाज़ा नहीं होगा क्योंकि अब हमारे लिए हमारे साथ शनिदेव का आशीर्वाद है। देश-विदेश से कितने ही भक्त शनि महाराज के दर्शन करने आते है महीने के चारों शनिवार और अमावस्या के दिन यहां सुबह से ही भक्तों का जमावड़ा लगा होता है। इस मंदिर के प्रावधान में यह भी कहा गया है कि शनिदेव महाराज के दर्शन के समय मंदिर में जाते समय सामने की तरह ही देखें, पीछे मुड़ने पर मनाही है तथा मंदिर के अंदर केवल पुरुषों का जाना ही अनिवार्य है महिलाएं बाहर से ही पूजा पाठ करती है।

26 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1997 श्रीलंका ने 'एशिया कप' जीता, खमेर रूज के नेता पोलपोट को आजीवन कारावास।
1998 महानतम महिला एथलीट जैकी जायानर कर्सी ने एथलेटिक्स से सन्न्यास लिया।
2000 फिजी में विद्रोही नेता जार्ज स्पीट को सेना ने गिरफ्तार किया।
2002 इंडोनेशिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति सुहातों के पुत्र को 15 वर्ष के कारावास की सज़ा सुनायी।
प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य निशानेबाज़ी चैम्पियनशिप प्रारम्भ हुई।
2004 ईरान के विदेश मंत्री कमल करजई ने भारतीय प्रधानमंत्री के साथ गैस पाइप लाइन के प्रस्ताव पर वार्ता की। अर्जेन्टीना को हराकर फ़ुटबाल का कोपा कप ब्राजील ने जीता।
2006 लेबनान में इस्त्रायल हमले में चार संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक मारे गये।
2007 पाकिस्तान ने परमाणु शक्ति सम्पन्न क्रूज मिसाइल बाबर हत्फ़-7 का सफल परीक्षण किया।
2008 यूरोपीय वैज्ञानिकों ने सौरमंडल के बाहर एक और नये ग्रह की खोज की।

जन्मे व्यक्ति
1914 विद्यावती 'कोकिल' - भारत की प्रसिद्ध कवयित्रियों में से एक।
1874 छत्रपति साहू महाराज - महाराष्ट्र के प्रसिद्ध समाज सुधारक और दलितों के हितेषी।

हमें जलवायु परिवर्तन शिक्षा की आवश्यकता क्यों है

विचार बिन्दु

विजय गर्ग

इस तरह की बातचीत कुछ छात्रों को जलवायु कार्रवाई में खुद को शामिल करने के लिए प्रेरित कर सकती है। केवल शिक्षा ही लोगों को मुद्दों के बारे में जागरूक बनने, उन्हें गंभीर रूप से देखने, चुनौतियों का सार्थक और प्रभावी तरीके से जवाब देने और सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकती है।

भारत में कितने नीति निर्माता, पाठ्यक्रम योजनाकार और विकासकर्ता, शिक्षक और शिक्षक ''जलवायु परिवर्तन शिक्षा'' (सीसीई) शब्द से परिचित हैं? उनमें से कितने इसके महत्व के बारे में बात कर सकते हैं या सोच सकते हैं कि स्कूली पाठ्यक्रम में सीसीई को शामिल करना आवश्यक है? मैं इसे पाठकों पर छोड़ता हूं कि वे उन शिक्षित लोगों के प्रतिशत का अनुमान लगाएं, जिन्हें सीसीई के बारे में कुछ ज्ञान है और 21वीं सदी में इसकी आवश्यकता है। विश्व आर्थिक मंच के पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (ईपीआई) 2022 के अनुसार, जो देशों के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और स्थिरता को मापता है, भारत 180 देशों में सबसे कम स्थान पर है। चौंका देने वाला? क्या यह हमें किसी भी तरह से परेशान करता है? एक राष्ट्र के रूप में, हमें ऐसी रिपोर्टों के बारे में कम से कम परेशान किया गया है, क्योंकि हमें लगता है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दे वास्तविक नहीं हैं। बहुत से सांसद और विधायक इस मुद्दे पर बात करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। हमारे टेलीविजन चैनल नहीं सोचते कि जलवायु संकट बहस का विषय है। तापमान क्यों बढ़ रहा है और आजकल चक्रवात और बाढ़ क्यों आम हो गए हैं, इसका जवाब खोजने में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है। जलवायु संकट के प्रति हमारे कठोर रवैये को ग्रह से संबंधित होने की भावना की कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अत्यावश्यकता की आवश्यकता नतीजतन, हमारी शिक्षा प्रणाली जलवायु परिवर्तन शिक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं देती है और न ही इसमें जलवायु परिवर्तन पर कोई पाठ्यक्रम है। यह हमारे लिए चिंता का विषय है क्योंकि न्यूजीलैंड, इटली और ब्रिटेन सहित कई देशों ने सक्रिय कदम उठाए हैं और छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने और जलवायु कार्रवाई के चैंपियन बनाने के उद्देश्य से स्कूलों में सीसीई की शुरुआत की है। दुर्भाग्य से, भारत को उस तात्कालिकता का एहसास नहीं हुआ है जिसके साथ उसे जवाब देना चाहिए। 2021 में ग्लासगो में आयोजित 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (एग्ज26) में बोलते हुए, प्रधान मंत्री मोदी ने स्कूल पाठ्यक्रम में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन नीतियों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया, लेकिन हाल ही में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (गएक्टट्ठ) ने जलवायु परिवर्तन पर अध्याय हटा दिए (कक्षा 11: ग्रीनहाउस प्रभाव, कक्षा 7: मौसम, जलवायु और पानी और कक्षा 9: भारतीय मानसून)। कारण बताया गया कि यह छात्रों के कार्यभार को कम करने का प्रयास था। यह न केवल एक पिछड़ा कदम था बल्कि संवेदनशीलता की कमी भी प्रदर्शित करता था। कई शिक्षाविदों और कार्यकर्ताओं द्वारा इस फैसले पर निराशा व्यक्त करने के बाद, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक सप्ताह पहले घोषणा की कि गिराए गए अध्यायों को बहाल किया जाएगा। क्या हमें इसे अच्छी खबर मानना ??चाहिए या इसे एक चुटकी नमक के साथ लेना चाहिए? सबकी जिम्मेदारी यूनेस्को के अनुसार, जलवायु परिवर्तन शिक्षा छात्रों को ''जलवायु संकट के प्रभावों को समझने और संबोधित करने में मदद करती है, उन्हें परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोण के साथ सशक्त बनाती है।'' जलवायु परिवर्तन ग्रह पर सभी को प्रभावित करता है। धरती की रक्षा करना सबकी जिम्मेदारी है। शिक्षकों को छात्रों को जलवायु संकट और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के महत्व (स्वच्छ हवा, रसायनों का सुरक्षित उपयोग, अच्छी कृषि पद्धतियां, विकिरण से सुरक्षा, आदि) के बारे में जागरूक होने में मदद करनी चाहिए और उन्हें जलवायु के चैंपियन बनने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। गतिविधि। क्च्क्र 2022 के अनुसार, बिगड़ती वायु गुणवत्ता और तेजी से बढ़ता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भारत के निम्न स्कोर के प्राथमिक कारण हैं। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में से 21 शहर हैं और वायु प्रदूषण 16 लाख से अधिक लोगों की जान लेता हैलोग हर साल। इस संदर्भ में, छात्रों को आसानी से समझ में आने वाली भाषा में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन, पेरिस समझौते और संबंधित एक्शन फॉर क्लाइमेट एम्पावरमेंट (एसीई) की नीतियों और कार्यों को समझाना आवश्यक है।

मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा

हैल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। वैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

पश्चिमोत्तानासन- इस आसन से शरीर का पाचनतंत्र मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन पर बार दोहराएं।

सर्वांगासन: यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थॉयराइड और पैराथॉयराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन: यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोडिए। एडी दाहिने नितम्ब के पास रहें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोडें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हृद्य रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

प्राणायाम: प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रस्त्रिका प्रणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भस्त्रिका प्रणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी-जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

सूर्य नमस्कार: अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवनपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

'पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा'

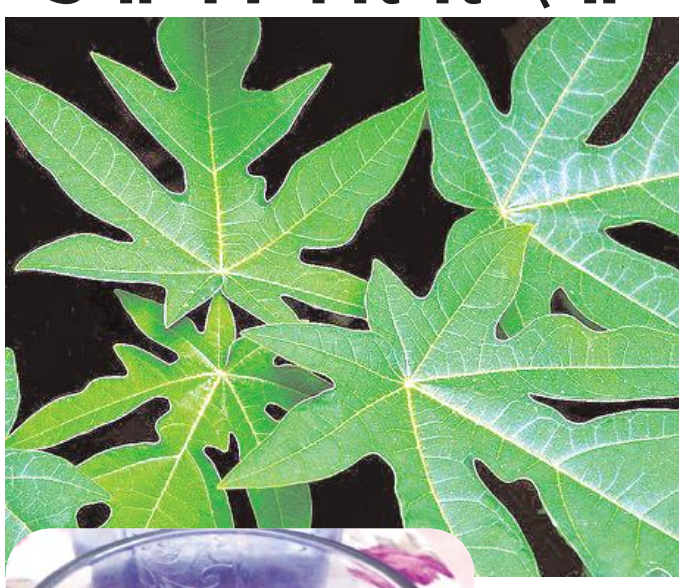

डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नैशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के ड्यूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत ऐलोपैथिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फ्रेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

हैल्थ संवाददाता

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए प्रायः कडुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमशः 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

गर्मियों के लिए अच्छा है करेला

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पतों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

बुखार में कारगर है करेला

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कडुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

कुष्टरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अतः यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है।

जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रायः तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हृष्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें। बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुधरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर ऑवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटांमासी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची का 20 ग्राम चूर्ण मिला ले। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ भी लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिसी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

'मुहम्मद अली' गाने का टीजर हुआ जारी

नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ देश के साथ-साथ विदेशों में भी अपनी आवाज से लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। विदेशों में भी उनके म्यूजिक कॉन्सर्ट का जलवा ऑडियंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। दिलजीत दोसांझ और एनएलई चोप्पा का गाना मुहम्मद अली 26 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। गुरुवार को दिलजीत दोसांझ ने इस गाने की वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा, 'सरप्राइज।' दिलजीत ने इस गाने में अमेरिकी रैपर एनएलई चोप्पा के साथ कोलेब किया है। अमेरिकी रैपर एनएलई चोप्पा कैपो, वॉक एम डाउन, गो स्टुपिड और नैरो रोड जैसे अपने हिट गानों के लिए लोकप्रिय हैं।

लाइफ Style

कियारा

रामचरण-रणवीर के साथ मचाएंगी धमाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपने प्रशंसकों के बीच बेहद प्रसिद्ध हैं। इन दिनों कियारा अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग में लगातार व्यस्त हैं। कियारा की कई फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होनी हैं, जिसमें डॉन 3, से लेकर वॉर 2 और गेम चेंजर शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। हाल ही में कियारा आडवाणी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जो कि वाईआरएफ स्टूडियो का था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग जल्द ही शुरू करेंगी। निर्देशक फरहान अख्तर की आगामी फिल्म 'डॉन 3' में कियारा अभिनेता रणवीर सिंह के साथ एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म 'गेम चेंजर' एक आगामी भारतीय तेलुगु राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन एस. शंकर ने किया है। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस ने किया है। फिल्म में राम चरण ने ट्रिपल भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, समुथिरकानी और नासर जैसे कलाकार शामिल हैं। हो सकता है कि यह फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज हो। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' में कियारा नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी के होने की बात सामने आई है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' इस साल 31 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है।

हॉलीवुड मसाला

मार्वल कॉमिक्स से है नाता

लॉस एंजिलिस। लोगन यानी वूल्वरिन एक्स-मेन सीरीज की फिल्मों का एक चर्चित किरदार है। इसकी कहानी साल 2000 में आई 'एक्स-मेन' से शुरू होती है, जब प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर लोगन को एक्स-मेन की टीम में शामिल करते हैं। लोगन यानी वूल्वरिन पात्र का नाता मार्वल कॉमिक्स से है। इसे लेन वेन और जॉन रोमिता ने बनाया है और यह कॉमिक्स के मुख्य पात्रों में से एक है। वूल्वरिन का सबसे पहली बार परिचय 'द इंक्रेडिबल हल्क' में हुआ था। मालूम हो कि एक्स-मेन फ्रैंचाइजी की फिल्मों को मार्वल स्टूडियोज ने नहीं, बल्कि 20th सेंचुरी फॉक्स ने बनाया था।

एक्स मेन के इन किरदारों को देखना चाहेंगे दर्शक...

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी सुपरहीरो फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' शुक्रवार 26 जुलाई को सिनेमाघरों में लग जाएगी। फिल्म का निर्देशन शॉन लेवी ने किया है। रयान रेनॉल्ड्स और ह्यू जैकमैन फिल्म के मुख्य पात्र हैं। एक्स मेन का किरदार है- अरमांडो मुनोज, जिन्हें उनके कोडनाम डार्विन के नाम से भी जाना जाता है। केन्याई एक्टर ईडी गैदेजी ने वर्ष 2011 में 'एक्स-मेन: फर्स्ट क्लास' में यह किरदार अदा किया था। इसे दर्शक देखना चाहेंगे। दूसरा किरदार है स्टोर्म, जो कि सुपरहीरो है। यह एक्स मेन सीरीज के सबसे अहम किरदारों में से एक है। अमेरिकी एक्ट्रेस हैल बेरी ने इस म्यूटेंट किरदार को अदा किया है। इसके अलावा सैबलोप्स भी एक्स मेन सीरीज के फाउंडिंग सदस्यों में से है। इस सुपरहीरो कैरेक्टर को एक्स मेन सीरीज में सबसे लंबे समय तक रहने वाले लीडर सदस्य के रूप में भी जाना जाता है।

करण की वेब सीरीज में आएंगी नजर

नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी इस साल की शुरुआत में रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आई थीं। इसके बाद वह फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के किरदार संग्राम भालेराव के साथ एक खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाएंगी। उन्होंने करण जौहर के साथ भी काम किया है। श्वेता तिवारी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'मैं धर्मा प्रोडक्शंस की आगामी वेब सीरीज कर रही हूं। उसमें मैं एक डॉन जैसा किरदार निभा रही हूं, जो साड़ी पहनती है और सिगरेट पीती है। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण भूमिका है और इसी बात ने मुझे इसकी ओर आकर्षित किया।' फिलहाल इस सीरीज से जुड़ी श्वेता ने अधिक जानकारी नहीं दी है। श्वेता ने अपने करियर के इस नए चरण में छोटी भूमिकाएं करने की इच्छा व्यक्त की है।

सेक्सुएलिटी को लेकर दिया स्टेटमेंट...

नई दिल्ली। अभय देओल की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस फोटो में अभय आईने में खुद को किस करते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ अभय की इस तस्वीर ने ही सोशल मीडिया पर हलचल नहीं मचाई है, उनके इंटरव्यू ने भी लोगों को हैरान कर दिया है। एक इंटरव्यू में अपनी सेक्सुएलिटी पर कॉन्ट्रोवर्शियल स्टेटमेंट दिया है। अभय ने इंटरव्यू में कहा, 'सेक्सुएलिटी को जज करने का वेस्टर्न तरीका मुझे पसंद नहीं है। वेस्टर्न तरीके में वो आपको एक तय पैमाने पर जज करते हैं। वेस्टर्न में या तो आप लड़के प्रति आकर्षित हो सकते हो या फिर लड़की के प्रति। इसलिए मुझे इस्टर्न तरीका ज्यादा पसंद है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं ये नहीं बता सकता कि मैं लड़कियों के प्रति आकर्षित होता हूं या लड़कों के प्रति और मुझे ये बात पता है कि ये बहुत कॉन्ट्रोवर्शियल लग सकता है, लेकिन ऐसा ही है।

टीवी मसाला

टीवी के इन हिट कलाकारों का नहीं हो रहा कमबैक...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित इंडस्ट्री टीवी की होती है। दर्शक हर रोज डेली सोप देखना पसंद करते हैं और काफी कनेक्ट भी रहते हैं। हालांकि, छोटा पर्दा हो या बड़ा पर्दा वक्त किसी के लिए एक जैसा नहीं होता है। एक समय में हिट रहे कलाकार आज बेरोजगारी की मार भी झेल रहे हैं। 'पवित्र रिश्ता' शो से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाली अंकिता लोखंडे आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बिग बॉस के घर में एंट्री लेने के बाद अभिनेत्री के फैंस को यह जरूर लगा था कि इसके बाद अंकिता के करियर को एक उछाल मिलेगा, लेकिन फिल्म 'मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी' और 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' करने के बाद उन्हें कोई भी प्रोजेक्ट ऑफर नहीं हुए। दीपिका कक्कड़ ने भले ही बेटे रुहान के जन्म के बाद टीवी इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया हो, लेकिन शोएब से शादी करने के बाद अभिनेत्री का करियर काफी डांवाडोल चला है। आज अभिनेत्री के पास ऑफर के नाम पर केवल यूट्यूब की व्लॉगिंग है, जो उनके इनकम का भी सोर्स है। दिव्यांका त्रिपाठी के कमबैक का उनके फैंस अरसे से इंतजार कर रहे हैं। 'ये हैं मोहब्बतें' से फैंस के दिलों में अपनी पहचान बनाने वाली दिव्यांका भले ही वेब सीरीज का हिस्सा रही हो, लेकिन आज अभिनेत्री के पास की कमी है। अभिनेत्री के फैंस उन्हें डेली सोप का हिस्सा बनते देखने के लिए बेकरार हैं। करण पटेल टीवी के हिट कलाकारों में से एक हैं। अभिनेता ये हैं मोहब्बतें में नजर आए। इस शो में करण रमन भल्ला के रोल में छा गए थे, लेकिन उस शो के बाद करण के हाथ कोई दूसरा अच्छा प्रोजेक्ट नहीं लगा। करण कई बार काम ना मिलने की बात का खुलासा कर चुके हैं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काम मांग चुके हैं।

सलमान होस्ट करेंगे 'बिग बॉस 18'

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'बिग बॉस' को लेकर दर्शकों के बीच अलग स्तर का क्रेज देखा जाता है। अब इसका अगला सीजन यानी बिग बॉस 18 शुरू होने वाला है। शो के पहले प्रतिभागी को लेकर एक टीवी अभिनेता का नाम सामने आया है। पहले कहा जा रहा था कि सलमान खान इस बार बिग बॉस का आगामी सीजन होस्ट नहीं करेंगे। लेकिन, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सलमान ही प्रतिभागियों से रूबरू होते दिखेंगे। इन दिनों दर्शक 'बिग बॉस ओटीटी 3' का लुत्फ उठा रहे हैं। 'बिग बॉस ओटीटी 3' को अपना विजेता जल्द मिल जाएगा।

कश्मीर के सिनेमाघरों में इश्क फरमाने आ रहे हैं 'लैला मजनू'

नई दिल्ली। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लैला मजनू' 2 अगस्त को कश्मीर में फिर से रिलीज होगी। हाल ही में, आईनॉक्स श्रीनगर के इंस्टाग्राम हैंडल ने साल 2018 की फिल्म 'लैला मजनू' की फिर से रिलीज के बारे में घोषणा की। एडवांस बुकिंग जल्द ही शुरू होगी। लैला मजनू के कश्मीर में रिलीज होने की खबर से इसके कलाकार बेहद खुश हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी साझा कर खुशी जताई है। तृप्ति डिमरी ने स्टोरी साझा करते हुए लिखा, 'इसके लिए बहुत उत्साहित हूं।' वहीं अन्य कलाकारों ने भी इस पर अपनी खुशी जाहिर की है। दुखद रोमांस पर आधारित फिल्म 'लैला मजनू' सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय है। इसका निर्देशन साजिद अली ने किया है। इम्तियाज अली द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण एकता आर कपूर, शोभा कपूर और प्रीति अली ने किया है। पिछले कुछ सालों में इस फिल्म की कहानी और अभिनय की खूब सराहना हुई है।

ओटीटी पर धूम मचाने के लिए तैयार 'मिस्टर एंड मिसेज माही'

नई दिल्ली। जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा 26 जुलाई की आधी रात को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सिनेमाघरों में इसके प्रदर्शन के बाद अब सभी की निगाहें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इसके प्रदर्शन पर होंगी। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' डॉक्टर महिमा और पूर्व क्रिकेटर महेंद्र के बीच तय की गई शादी को दर्शाती है। क्रिकेट बहुत जल्दी ही एक साझा जुनून बन जाता है। जो दर्शक सिनेमाघरों में फिल्म देखने से चूक गए हैं, अब वे ओटीटी पर घर बैठे इस फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं।

'मिस्टर एंड मिसेज माही' का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है, जिन्होंने 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' से निर्देशन की शुरुआत की थी, जिसमें जान्हवी मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म में राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे धर्मा प्रोडक्शन के तहत हीरू यश जौहर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित किया गया है।

रातों की नींद हो जाएगी गायब, अकेले देखने की न करें गलती

इस भूतिया फिल्म को देख थर-थर कांपने लगेगा शरीर

मुंबई। जैसे अलग-अलग जॉनर की फिल्में होती हैं ठीक वैसे ही इन जॉनर के अलग-अलग दर्शक भी होते हैं। किसी को क्राइम-थ्रिलर देखकर मजा आता है तो किसी को रोमांटिक-ड्रामा पसंद होता है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें कॉमेडी में दिलचस्पी होती है और फिर वो लोग आते हैं जिन्हें हॉरर देखने में मजा आता है। हॉरर फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही क्रेज देखने को मिलता है। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक में ऐसी कई हॉरर फिल्मों का निर्माण किया जा चुका है, जो दर्शकों की रूह को कंपा देती हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बताएंगे, जिसे देखकर आपको इतना डर लगेगा कि आप पल-पल में पलकें बंद कर लेंगे, लेकिन इसके दिलचस्प ट्विस्ट और टर्न आपको स्क्रीन के सामने से उठने भी नहीं देंगे।

नेटफ्लिक्स पर मौजूद है वेरोनिका

2017 में रिलीज हुई स्पैनिश फिल्म वैरोनिका को 2018 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। फिल्म की कहानी 1991, मैड्रिड की है। फिल्म की कहानी एक टीनएज लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे उसके माता-पिता उसके छोटे भाई-बहनों का ख्याल रखने के लिए घर पर छोड़ा जाते हैं। लेकिन, फिर घर में कुछ अजीबोगरीब घटनाएं होने लगती हैं और ये धीरे-धीरे कर खराब रूप लेने लगता है। सुपरनेचुरल फोर्स उसके ऊपर इस कदर हावी हो जाता है कि वह और उसके भाई-बहन बड़ी मुश्किल में आ जाते हैं।

2017 में रिलीज हुई थी वेरोनिका

ये फिल्म है 'वेरोनिका', जो नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और हॉरर फिल्में पसंद करने वाले दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। ये फिल्म 2017 में रिलीज हुई थी और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आज भी दर्शकों को डरा रही है। इस फिल्म को दुनिया की सबसे डरावनी फिल्मों में से एक बताया गया है, इसलिए हमारा सुझाव है कि अगर आप कमजोर दिलवाले हैं तो इस फिल्म से दूर ही रहें।

आईएमडीबी पर मिली इतनी रेटिंग

इस सुपर हॉरर फिल्म को पैको प्लाज़ा ने लिखा और डायरेक्ट किया था। वहीं फिल्म की कहानी फर्नांडो नवारो और कोरल क्रूज़ ने मिलकर लिखी थी। फिल्म में सैंड्रा एसकासीना, ब्रूना गोनजालेस, और क्लॉडिया प्लेसर ने जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है। आईएमडीबी पर इस हॉरर फिल्म को 10 में से 6.2 स्टार रेटिंग मिली है। बताया जाता है कि फिल्म की कहानी एस्टेफेनिया गुटरेज लजारो नाम की एक लड़की की असली कहानी पर आधारित है। 18 साल की बच्ची कुछ डरावने खेल खेलती थी और आत्माओं से बात करती थी। ऐसे ही एक आत्मा से बात करने की कोशिश में कोई बाधा आ गई और इस घटना के 6 महीने बाद अचानक उसे दौरे पड़ने लगे। कई बार वो इतने गुस्से में आ जाती कि अपने भाई-बहनों पर ही भड़क उठती।

खबर संक्षेप

पीएनबी हाउसिंग के लाभ में 25 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 433 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 347 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 1,832 करोड़ रुपये हो गई।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर आठ प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर में बृहस्पतिवार को करीब आठ प्रतिशत की तेजी आई। कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में 629 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा दर्ज करने की खबरों के बाद उसके शेयर में तेजी आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 6.10 प्रतिशत बढ़कर 1,820.70 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 7.80 प्रतिशत बढ़कर 1,850 रुपये पर पहुंच गया था।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा बढ़कर 746.6 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं की कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 6.9 प्रतिशत बढ़कर 746.60 करोड़ रुपये हो गया। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 698.34 करोड़ रुपये रहा था।

कैनरा बैंक का पहली तिमाही में लाभ 10 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जून में समाप्त पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 3,905 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। फंसे कर्ज में कमी से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बेंगलुरु मुख्यालय वाले बैंक का गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 3,535 करोड़ रुपये था।

लेलैंड का लाभ जून तिमाही में घटकर 509 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की गिरावट के साथ 509 करोड़ रुपये रहा है। समान तिमाही में कंपनी ने 544 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। जून तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 10,754 करोड़ रुपये हो गई।

जगसनपाल फार्मा 41 करोड़ में रेगलिया लेमिनेट्स बेचेगी

JAGSONPAL

नई दिल्ली। जगसनपाल फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपना फरीदाबाद संयंत्र 41 करोड़ रुपए में रेगलिया लैमिनेट्स एलएलपी को बेचने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि वह फरीदाबाद इकाई को बेचने की योजना बना रही है। जगसनपाल फार्मास्युटिकल्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'हम आपको बताना चाहते हैं कि कंपनी ने फरीदाबाद इकाई को बेचने के लिए समझौता किया है।' कंपनी ने कहा कि इसे रेगलिया लैमिनेट्स एलएलपी को बेचा जा रहा है।

टैक्स भार घटने से दुनिया के 1% अमीरों की संपत्ति 10 वर्ष में बढ़कर 42 ट्रिलियन डॉलर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दुनिया के टॉप एक फीसदी अमीरों की संपत्ति में पिछले एक दशक में 42 ट्रिलियन डॉलर का उछाल आया है। दुनिया के अमीरों ने 42 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति बनाने में जो सफलता हासिल की है ये दुनिया की आधी आबादी की कुल संपत्ति से 36 गुना ज्यादा है। ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है।

- अरबपति अपने संपत्ति का कुल 0.5 फीसदी ही टैक्स देते हैं

अपनी रिपोर्ट में ऑक्सफैम ने कहा कि इतना संपत्ति बनाने के बावजूद ये अरबपति अपने कुल संपत्ति का केवल 0.5 फीसदी ही टैक्स का भुगतान करते हैं। ब्राजील में हो रहे जी20 समिट से पहले नॉन-प्रॉफिट आर्गेनाइजेशन के तौर पर कार्य करने वाली ऑक्सफैम ने ये डेटा जारी किया है। अपनी इस रिपोर्ट में ऑक्सफैम ने बताया कि पिछले एक दशक में दुनियाभर में एक फीसदी अमीरों की संपत्ति में 42 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है।

ऑक्सफैम ने हाल में जारी रिपोर्ट में किया खुलासा

80% अरबपति रहते हैं जी-20 देशों में

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के अरबतियों ने ये 42 ट्रिलियन डॉलर संपत्ति जो बनाने में पिछले एक दशक में सफलता हासिल की है वो दुनिया के 50 फीसदी सबसे गरीब आबादी की संपत्ति से 36 गुना ज्यादा है। ऑक्सफैम के मुताबिक 80 फीसदी ये अरबपति जी-20 देशों में रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टॉप एक फीसदी में आने वाले व्यक्ति की औसत संपत्ति में पिछले 10 वर्षों में रियल टर्म्स में 4,00,000 डॉलर के करीब बढ़ी है जबकि बाकियों की केवल 335 डॉलर संपत्ति बढ़ी है।

अरबपतियों पर घटा टैक्स का बोझ

ऑक्सफैम ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इतनी संपत्ति जुटाने के बाद भी इन अमीरों पर टैक्स की देनदारी घटी है जिससे दुनियाभर में असमानता बढ़ती जा रही है। ब्राजील की अध्यक्षता में जी-20 देश जिनका ग्लोबल जीडीपी में 80 फीसदी हिस्सेदारी है वे सुपर-रिच पर टैक्स लगाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। ब्राजील में जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंकों के गवर्नर की बैठक होने वाली है जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है।

असमानता रोकने में सरकारें हुई फेल

ऑक्सफैम इनइक्वालिटी पॉलिसी के प्रमुख मैक्स लॉसन ने कहा, असमानता अपने चरम पर पहुंच चुकी है और सरकारें नागरिकों को इसके विपरीत असर से बचाने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है। उन्होंने कहा, सबसे अमीर एक फीसदी लोग अपनी जेब भरने में जुटे हैं और बाकियों को टुकड़ों पर जीने के लिए छोड़ दिया गया है।

केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों का प्रदर्शन बेहतर करने पर ध्यान

केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों के विनिवेश नहीं मूल्य सृजन पर सरकार का जोर: दीपम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार सिर्फ अपना लक्ष्य पूरा करने के लिए विनिवेश पर जोर देने के बजाय केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों (सीपीएसई) का प्रदर्शन बेहतर करने पर ध्यान देगी ताकि संपत्ति के सृजन को अधिकतम किया जा सके।

पांडे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की 77 सूचीबद्ध इकाइयों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले तीन वर्षों में चार गुना बढ़कर लगभग 73 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इनमें बैंक, बीमा कंपनियां और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) शामिल हैं।

पीएसयू के प्रदर्शन में सुधार हुआ

पांडे ने खास बातचीत में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है और बाजारों ने इन इकाइयों का बेहतर मूल्यांकन करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की सीपीएसई के कुल बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 7.2 लाख करोड़ हुआ

बीएसई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 7.2 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। दीपम सचिव ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से सुधरा है, पूंजीगत व्यय में सुधार हुआ है, प्रबंधन प्रोत्साहन सीपीएसई के प्रदर्शन के अनुरूप हो रहे हैं और इसपर बाजार की नजर होने से सीपीएसई को लेकर धारणा भी बदली है।

DEPARTMENT OF INVESTMENT AND PUBLIC ASSET MANAGEMENT (DIPAM)

- 77 सूचीबद्ध इकाइयों का पूंजीकरण चार गुना बढ़कर 73 लाख करोड़
- पिछले तीन वर्षों में चार गुना बढ़कर लगभग 73 लाख करोड हुई

दीपम सुनियोजित रणनीति पर चलेगा: पांडे ने कहा कि दीपम एक सुनियोजित विनिवेश रणनीति पर चलेगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपने शेयरों पर भरोसा क्यों नहीं करना चाहिए? हम यह नहीं कह सकते कि यह लक्ष्य है, लिहाजा किसी भी स्थिति में शेयर को बेच दें। इस दृष्टिकोण से कोई मदद नहीं मिली है।'

परिसंपत्तियों से 50 हजार करोड़ जुटाना लक्ष्य

सरकार ने अब बजट दस्तावेज में विनिवेश प्राप्तियों के लिए कोई स्पष्ट लक्ष्य देना भी बंद कर दिया है। यह अब पूंजी प्राप्तियों के लिए बजट प्रदान करती है, जिसमें विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रीकरण से प्राप्तियां शामिल हैं।

आईडीबीआई के संभावित निवेशकों को मिली सुरक्षा गारंटी

आईडीबीआई बैंक में निवेश की मंशा जताने वाले बोलीदाताओं को गृह मंत्रालय से जरूरी सुरक्षा मंजूरी मिल गई है और इस बारे में जल्द ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से भी मंजूरी मिलने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एलआईसी के पास 61 फीसदी हिस्सेदारी

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक में करीब 61 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचने की तैयारी में है। इस दौरान केंद्र सरकार की 30.48 प्रतिशत और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचा जाएगा।

बोलीदाताओं को दो तरह की मंजूरी लेगी होगी

जनवरी, 2023 में निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने कहा था कि उसे आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी की खरीद के लिए कई रुचि पत्र (ईओआई) मिले हैं। ईओआई के माध्यम से निवेश की मंशा जताने वाले बोलीदाताओं को दो तरह की मंजूरी लेनी होगी।

स्टार्टअप के लिए एंजल कर हटाना अभूतपूर्व

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

भारतीय सरकार के केंद्रीय बजट 2024-25 में एंजल कर हटाने के प्रस्ताव का सिलिकॉन वैली के शीर्ष उद्यमियों तथा उद्यम समूहों ने स्वागत किया है।

टीआईई सिलिकॉन वैली की अध्यक्ष अनीता मनवानी ने कहा 'मुझे लगता है कि (एंजेल कर हटाना) निश्चित रूप से एक बेहतरीन कदम है। वित्त मंत्री (निर्मला) सीतारमण से कभी कम की उम्मीद नहीं की जा सकती...वह हमेशा इस बात पर गौर करती हैं कि देश के लिए क्या महत्वपूर्ण है, वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए क्या जरूरी है।'एंजल कर (30 प्रतिशत से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह आयकर है जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई धनराशि पर लगाती है, यदि उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है। एंजल कर समाप्त करने का कई अन्य व्यापार और व्यवसाय वकालत समूहों द्वारा भी स्वागत किया गया है। यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम ने कहा कि सभी निवेशक वर्गों के लिए एंजल कर हटाना एक ऐतिहासिक सुधार है जो भारत के स्टार्टअप परिवेश को लाभ पहुंचाएगा।

- टीआईई सिलिकॉन वैली की मनवानी ने बेहतरीन कदम बताया

बेहद जरूरी सुधार था

यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल ने कहा, 'एंजल कर को समाप्त करने से द्विपक्षीय प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार के समक्ष आने वाली बाधा दूर होगी ।' यूएसए इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष करुण ऋषि ने कहा, एंजल कर हटाना भारत में स्टार्टअप परिवश के लिए एक ऐतिहासिक फैसला है। यह एक बेहद जरूरी सुधार है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन रही गिरावट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

वैश्विक बाजारों में नरमी के रुख के बीच धातु, बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में हल्की गिरावट के साथ बंद हुए।

बजट में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) को बढ़ाने और अल्पावधि के पूंजीगत लाभ पर कर बढ़ाने की घोषणा के बाद से ही निवेशक अपना निवेश निकाल रहे हैं। बड़े पैमाने पर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भी भारतीय बाजार से निकासी की है।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 109.08 अंक की गिरावट के साथ 80,039.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 671 अंक तक लुढ़का था। निफ्टी भी 7.40 अंक गिरकर 24,406.10 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 202.7 अंक गिरकर 24,210.80 अंक पर आ गया था। इस तरह स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही।

- सेंसेक्स 109 अंक और निफ्टी 7.40 अंक लुढ़का
- धातु,बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में रही बिकवाली

इन शेयरों में रहा लाभ : दूसरी तरफ टाटा मोटर्स में करीब छह प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड के शेयर भी बढ़त में रहे। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप में 0.14 प्रतिशत की गिरावट रही।

सेंसेक्स के इन शेयरों में हुआ घाटा : सेंसेक्स के शेयरों में एक्सिस बैंक में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। दरअसल, एक्सिस बैंक के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को खुश करने में नाकाम रहे। इसके अलावा नेस्ले, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए।

टेक महिंद्रा का शुद्ध लाभ बढ़कर 851 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवाप्रदाता टेक महिंद्रा का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 851 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी। आलोच्य अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 13,005 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में इसका राजस्व एक प्रतिशत बढ़ा है। बीती तिमाही में टेक महिंद्रा का परिचालन लाभ मार्जिन 1.90 प्रतिशत बढ़कर 12 प्रतिशत पर पहुंच गया। समीक्षाधीन अवधि में टेक महिंद्रा के कर्मचारियों की कुल संख्या 2,165 बढ़कर 1.47 लाख हो गई।

वाहन कलपुर्जा कारोबार 9.8 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा कारोबार बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत बढ़कर 6.14 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। उद्योग निकाय ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में वाहन कलपुर्जा कारोबार 5.59 लाख करोड़ रुपये का रहा था। एक्मा के अनुसार, घरेलू बाजार में ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माताओं) को कलपुर्जा आपूर्ति 8.9 प्रतिशत बढ़कर 5.18 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण उद्योग को आपूर्ति देश में कुल कलपुर्जा उत्पादन का छह प्रतिशत है। निकाय ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में इस खंड में निर्यात 5.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 21.1 अरब डॉलर हो गया जबकि आयात तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20.9 अरब डॉलर रहा। इससे कारोबार अधिशेष 30 करोड़ डॉलर का हो गया। एक्मा ने कहा कि वाहन विनिर्माण कंपनियों के अलावा वाहन कलपुर्जा उद्योग बीते वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 93,886 करोड़ रुपये रहने रहा।

- सालाना आधार पर 6.14 लाख करोड़ रुपए हुआ

अदाणी एनर्जी को 1190 करोड़ रुपए का घाटा...

नई दिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 20234-25 की पहली तिमाही में 1,190.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह घाटा मुख्य रूप से बढ़े हुए खर्चों के कारण हुआ। बीते वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी ने 181.98 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। अदाणी एनर्जी सॉल्युशंस लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी कुल आय हालांकि अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 5,489.97 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,772.25 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का खर्च बढ़कर 4,443 करोड़ रुपये रहा है, जो बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 3,124.69 करोड़ रुपये था। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली पारेषण कंपनी है।

बेंगलुरु सर्वाधिक घरों की बिक्री के साथ देश में सबसे आगे

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों का गढ़ माना जाने वाला बेंगलुरु शहर अप्रैल-जून तिमाही में 18,550 इकाइयों की बिक्री के साथ देश के अग्रणी आवासीय रियल एस्टेट बाजार के रूप में उभरा है।

रियल एस्टेट सलाहकार फर्म जेएलएल रिसर्च की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु शहर में जून तिमाही के दौरान नई परियोजनाओं की शुरुआत में भी लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इन परियोजनाओं में 16,537 इकाइयों की पेशकश की गई है। जेएलएल इंडिया के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक (कर्नाटक और केरल) राहुल अरोड़ा ने कहा कि तेजी से बढ़ते आईटी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाने और अनुकूल कारोबारी माहौल की वजह से बेंगलुरु में संपत्ति की मांग लगातार बनी हुई है।

- अप्रैल-जून तिमाही में 18,550 इकाइयों की बिक्री की
- अग्रणी रियल एस्टेट बाजार के रूप में उभरा

हाल ही में भारत में लांच टेजर को अफ्रीकी सड़कों पर उतारा

भारत में बनी टोयोटा की कार दक्षिण अफ्रीका में मचाएगी तहलका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कुछ समय पहले टोयोटा ने अपनी सबसे छोटी एसयूवी टेजर लांच की थी? हाल ही में भारत में लांच हुई टेजर को कंपनी ने अब दक्षिण अफ्रीका के बाजार में भी उतार दिया है, लेकिन वहां इसे एक नए नाम और नए इंजन के साथ पेश किया गया है।

- दक्षिण अफ्रीका में टेजर एसयूवी को टोयोटा स्टारलेट क्रॉस नाम दिया

दक्षिण अफ्रीका में टेजर एसयूवी को टोयोटा स्टारलेट क्रॉस नाम दिया गया है। ये इसलिए हुआ, क्योंकि वहां पहले से ही टोयोटा ग्लैंजा को स्टारलेट के नाम से बेचा जाता है। बता दें कि असली वाली टोयोटा स्टारलेट 1970, 80 और 90 के दशक में कई देशों में काफी लोकप्रिय थी। ये गाड़ी भारत में तो नहीं आई थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका में टोयोटा ने इसे फिर से जिंदा कर दिया।

लेकिन इंजन है बिल्कुल अलग

ध्यान देने वाली बात ये है कि दक्षिण अफ्रीका वाली स्टारलेट क्रॉस में भारत वाली टेजर का इंजन नहीं दिया गया है। भारत में जहां टेजर 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, वहीं दक्षिण अफ्रीका में इसे 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया गया है। ये इंजन 103 बीएचपी की पावर और 138 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ट्रांसमिशन में 5-स्पीड मैनुअल या 4-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आता है।

कीमत : इसके कीमत की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका में टोयोटा स्टारलेट क्रॉस की कीमत 299,900 से 359,300 रैंड (लगभग 13.70 लाख रुपए से 16.50 लाख रुपए) के बीच है। इसकी तुलना में टोयोटा टेजर की कीमत 7.74 लाख से 12.88 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच है। यह मॉडल सीएनजी डेरिवेटिव के साथ दो पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध है।

डिजाइन में कोई बदलाव नहीं : डिजाइन की बात करें तो टोयोटा स्टारलेट क्रॉस बिल्कुल भारत वाली टेजर जैसी ही दिखती है। इसके हेडलैंप, डुअल एलईडी डीआरएल और 10-स्पोक अलॉय व्हील्स बिल्कुल वही हैं। इंटीरियर का डिजाइन भी वही है, सिर्फ फर्क ये है कि भारत में इसका इंटीरियर ब्लैक और मैरून कलर का है, वहीं दक्षिण अफ्रीका में इसके अंदर थोड़ा गोल्डन कलर का इस्तेमाल किया गया है।

फीचर्स की भरमार : फीचर्स के मामले में भी ये गाड़ी काफी धांसू है। इसमें 9-इंच का स्मार्टप्ले इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो वायरलैस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो को सपोर्ट करता है। पुश-बटन स्टार्ट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, कीलेस एंट्री, मल्टी-फंक्शन फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, हेड-अप डिस्प्ले और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स मिलते हैं।

सरकार ने अनचाहे कॉल पर राय देने की समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने प्रचार-प्रसार संबंधी फोन कॉल और एसएमएस जैसे अनचाहे एवं अवांछित कारोबारी संचार पर लगाम लगाने से संबंधित दिशानिर्देशों के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर बृहस्पतिवार को आठ अगस्त कर दी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विभिन्न महासंघों, संघों और अन्य हितधारकों से प्राप्त अनुरोधों के मद्देनजर तारीख बढ़ाई गई है। इस पहले टिप्पणियां प्रस्तुत करने की आखिरी तारीख 21 जुलाई थी। विभिन्न सुझाव तथा टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं, जिन पर फिलहाल गौर किया जा रहा है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और नियामकों सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए इन दिशानिर्देशों में व्यक्तिगत संचार को नहीं रखा गया है।

- संदेशों पर अंकुश लगाने समय-सीमा आठ अगस्त तक बढ़ाई

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

लोगों को बचाने के लिए विभाग को नाव तक की जरूरत पड़ी

सड़कें, रेल लाइन और घर डूबे, 4 लोगों की मौत

पुणे में जल प्रलयः कहीं सड़कें तो कहीं घर डूबे, शहर हुआ 'बंद', मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र के कई शहरों में लगातार बारिश का कहर जारी है। मुंबई, पुणे, पालघर समेत कई अन्य जगहों पर हालात बदतर हो गए हैं।मुंबई की सार्वजनिक परिवहन सेवाएं काफी प्रभावित हुई हैं। सड़कों, रेलवे पटरियों और लोगों के घरों में पानी भर गया है। आवासीय क्षेत्रों में बारिश का पानी घुसने के बाद पुणे अग्निशमन विभाग को लोगों को बचाने के लिए इन्फ्लेटेबल रबर बोट की मदद लेनी पड़ी।

मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। एनडीआरएफ और भारतीय सेना की टीमें जलमग्न इलाकों में फंसे स्थानीय लोगों को बचाने के लिए पुणे के एकता नगर पहुंची। भारी बारिश के कारण मुंबई आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं।

अंधेरी सब-वे करना पड़ा बंद, सड़कों पर 'समंदर' जैसा मंजर

जिले के बड़े हिस्से बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। लोगों की मदद के लिए नावों को तैनात किया गया है। वहीं बारिश के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

करंट लगने से मौत

बिगड़े मौसम के मिजाज का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि यहां 4 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। पुणे ग्रामीण के अधरवाड़ी गांव में चट्टानें खिसकने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि हादसे में एक अन्य घायल भी हो गया। 3 लोगों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना डेक्कन जिमखाना इलाके में हुई। तीनों मृतक बाबा भिड़े पुल के पास सड़क किनारे ठेले डूबने से बचा रहे थे, तभी करंट लग गया।

हिमाचल में भी हाहाकार

अंजनी महादेव में फटा बादल, पलचान में 3 घर बहे

हिमाचल प्रदेश के मनाली में सोलंगनाला के साथ लगते अंजनी महादेव मे मध्यरात्रि बादल फटने से पलचान में भारी तबाही हुई है। पलचान पुल पर मलबा आने से मनाली लेह मार्ग अवरुद्ध हो गया है। बादल फटने से आई बाढ़ से पलचान में तीन मकान भी बह गए हैं। दो को नुकसान पहुंचा है। पुल क्षतिग्रस्त होने से अटल टनल का रास्ता बंद हो गया है। इसके अलावा नदी में बने एक बिजली प्रोजेक्ट को भी नुकसान हुआ है। बादल फटने के बाद देर रात इलाके के कई घरों में मलबा घुस गया। इससे लोगों में दहशत का माहौल रहा। लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। ट्रैफिक बदलना पड़ा।

मुरादाबाद में सिग्नल ठप और पटरियां डूबीं

बारिश से 3 भाई समेत 5 की मौत

झमाझम बारिश से मुरादाबाद और झांसी में रेल यातायात प्रभावित हो गया। रेलवे यार्ड में पानी भर जाने से ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। पटरियां जलमग्न होने से ट्रैक प्वाइंट व सिग्नल ने काम करना बंद कर दिया। इससे 36 ट्रेनें चार घंटे तक रास्ते में खड़ी रहीं। चार पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त करना पड़ा। ललितपुर की शहजाद, उटारी, जामनी और सजनाम नदियों का जलस्तर बढ़ गया। कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूल बंद रहे। बिजनौर जनपद के अफजलगढ़ थानाक्षेत्र में गांव रफैतपुर में एक किसान के खेत से मजदूरी कर वापस लौट रहे तीन सगे भाई पीली नदी में डूब गए। ओमप्रकाश सिंह (40), तेजपाल (25) और जयसिंह (21) के शव करीब 8 घंटे बाद 150 मीटर दूर चामुंडा के पास मिले।

खबर संक्षेप

कर्नाटक में नीट के खिलाफ प्रस्तावों को मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को आगामी जनगणना के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन, एक देश-एक चुनाव और नीट के खिलाफ प्रस्तावों को मंजूरी दी। एक प्रस्ताव में मांग की है कि केंद्र को 2026 की जनगणना या उसके बाद होने वाली जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं करना चाहिए।

तेलंगाना ने 2.91 लाख करोड़ का बजट पेश किया

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.91 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ बजट पेश किया। बजट में राजस्व व्यय 2.21 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 33,487 करोड़ रुपए है। कुल राजस्व 2,90,814 करोड़ का अनुमान लगाया गया था, जिसमें 57,000 करोड़ रुपये से अधिक के ओपन मार्केट लोन शामिल थे।

रविशंकर शुक्ला लेन में पहुंचा आप का दफ्तर

नई दिल्ली। आखिरकार आम आदमी पार्टी के ऑफिस का पता बदल गया है। नया कार्यालय अलॉट हो गया है।कोर्ट के आदेश पर केंद्र सरकार ने आपके लिए नया कार्यालय अलॉट किया है।यह नई दिल्ली में रविशंकर शुक्ला लेन में नया ऑफिस अलॉट किया गया है। बंगला नंबर-1, रविशंकर शुक्ला लेन, नई दिल्ली अब आम आदमी पार्टी मुख्यालय का नया पता होगा।

यूपी-बिहार बॉर्डर पर दो पुलिसवाले समेत 18 अरेस्ट

बलिया। जिले के नरही थाना के यूपी बिहार की सीमा स्थित भरौली चौराहा पर एडीजी वाराणसी व डीआईजी आजमगढ़ की दबिश के बाद कड़ी करवाई की गई है। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि मौके से दो पुलिसकर्मी समेत 18 को गिरफ्तार किया है। 37,500 नकदी बरामद किए गए हैं। नरही थाना प्रभारी समेत 9 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

इयूटी में सब-इंस्पेक्टर को हार्ट अटैक, मौत

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में तैनात सब-इंस्पेक्टर की गुरुवार सुबह दिल का दौड़ा पड़ने से मौत हो गई। 59 वर्षीय मृतक सब-इंस्पेक्टर सुरेंद्र नाथ त्रिवेदी को पुलिस चौकी नयाघाट पर लोगों से बात करते समय हार्ट अटैक आया। उन्हें गंभीर अवस्था में श्रीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया। त्रिवेदी ग्राम सदरपुर थाना बिल ग्राम जनपद हरदोई के थे।

लोकसभा में गूंजा अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन का मुद्दा, हुड्डा-धर्मेंद्र यादव ने उठाई आवाज

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को 'भारत संघ के सशस्त्र बल' मानें,'पुरानी पेंशन' लागू हो

हर राज्य में 'राज्य अर्धसैनिक बोर्ड' का गठन करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के संबंध में मुद्दा गरम रहा। गुरुवार को रोहतक के लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन की मांग उठाई। उन्होंने कहा, ये बल देश की सुरक्षा करते हैं, यहां तक कि संसद भवन की रक्षा का दायित्व भी यही बल निभाते हैं।

इन्हें 100 दिन का अवकाश मिले। हर राज्य में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर 'राज्य अर्धसैनिक बोर्ड' का गठन हो। सपा के ही धर्मेंद्र यादव ने कहा, जब भाजपा विपक्ष में रही तो ओपीएस की बात करती रही। यह सरकार अब 11 वां बजट पेश कर रही है। देश के सरकारी कर्मचारी, पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं। सरकार, ओपीएस की चर्चा ही नहीं कर रही। यादव ने कहा, सीमा पर जवान शहादत झेल रहे हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों को पुरानी पेंशन दी जाए।

ओपीएस का सवाल गहराया

लंबे समय से 'पुरानी पेंशन बहाली' की मांग

हुड्डा ने कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कंधों पर न सिर्फ कश्मीर से लेकर उत्तर पूर्व तक, नक्सल प्रभावित क्षेत्र, सीमा, बंदरगाह व एयरपोर्ट के अलावा संसद भवन की सुरक्षा का दायित्व भी है। इन बलों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनएसजी व असम राइफल शामिल हैं। इन बलों में लंबे समय से 'पुरानी पेंशन बहाली' की मांग की जा रही है। जब देश में नई पेंशन स्कीम लागू की गई तो उस वक्त कहा गया है कि नई पेंशन स्कीम, 'भारत संघ के सशस्त्र बलों' को छोड़कर, अन्य सभी कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। तब सेना के तीनों अंगों को 'भारत संघ के सशस्त्र बल' मान लिया गया। उन्हें पुरानी पेंशन के दायरे में रखा गया।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों पर सरकार ने कहा

यह अस्थाई, जल्द नियंत्रण में आएंगी

देश में कुछ सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। इनकी खुदरा कीमत 58 फीसदी तक बढ़ गई हैं। केंद्र सरकार ने दावा किया है कि यह स्थिति अस्थाई है। कीमतें जल्द ही नियंत्रण में आ जाएगी। खराब मौसम, जलाशयों का गिरते स्तर और फसल नुकसान ने कृषि उत्पादन को प्रभावित किया है।

हवाई किराए में अचानक बढ़ोतरी

विमानन मंत्री का वादा- कराएंगे जांच

केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने जवाब दिया कि हम इस मामले की जांच करवाएंगे। वहीं संसद सूत्रों ने बताया कि सांसदों को बिजनेस क्लास में यात्रा करने का अधिकार है। वहीं एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि जब से उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कार्यभार संभाला है, तब से वे आम लोगों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

हवाई टिकट पर स्पीकर बिरला बोले

यह गंभीर मसला, मंत्री ध्यान दें

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान स्पीकर ओम बिरला ने नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से कहा कि वह देखें कि आखिर हवाई यात्रा के टिकट बुकिंग के दौरान अचानक क्यों बढ़ जाते हैं? उन्होंने कहा कि यह ऐसा मुद्दा है, जो बेहद गंभीर है और चिंता बढ़ाने वाला है। दरअसल डीएमके के सांसद दयानिधि मारन ने इसे लेकर एक सवाल उठाया था, जिस पर स्पीकर ने यह बात कही।

इन्होंने भी सरकार को घेरा

परेशानी का सबब बना एमएसपी: सुरजेवाला

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में एमएसपी किसानों के लिए 'सर्वाधिक परेशानी' का सबब बन गया है। उन्होंने कहा कि बजट कृषि गतिविधियों से जुड़े लोगों के मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है। यह बजट गठबंधन सरकार को बचाने, सहयोगियों को खुश करने और हार का बदला लेने का प्रयास है।

संसद में चला आरोप-प्रत्यारोप का दौर

कितने बड़े तीरंदाज हो, बेईमानी से जीतेः धर्मेंद्र यादव

लोकसभा में सपाके सांसद धर्मेंद्र यादव ने मोदी सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा और बजट पर सरकार पर सवाल खड़े किए। धर्मेंद्र ने एनडीए सरकार के 11वें बजट को लेकर कहा कि इसमें सभी वर्गों की उपेक्षा की गई है। सपा सांसद ने सदन में इतना तक कह दिया कि अरे यार बेईमानी से जीते हो, मालूम है कितने बड़े तीरंदाज हो।

अमृतपाल पर बोले चन्नी

सांसद सलाखों के पीछे, यह भी इनरजेंसी

पंजाब के पूर्व सीएम और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने 'वारिस पंजाब दे' प्रमुख और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंहपर कहा कि वह कहते हैं, वे हर दिन आपातकाल के बारे में बोलते हैं। लेकिन आज देश में अघोषित आपातकाल के बारे में क्या? यह भी आपातकाल है कि पंजाब में 20 लाख लोगों द्वारा एक सांसद के रूप में चुना गया व्यक्ति एनएसए के तहत सलाखों के पीछे है।

मैं अपना नाम बदल लूंगा...ये सबसे भ्रष्ट

चन्नी के बयान पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू एकदम अचानक गुस्से में आ गए। उन्होंने कहा कि मेरे दादा बेअंत सिंह ने देश के लिए कुर्बानी दी थी, कांग्रेस के लिए नहीं और ये चन्नी अपनी जायदाद पूछे और ये गरीबी की बात कर रहा है। अगर पूरे पंजाब में सबसे अमीर आदमी कोई है तो वो चन्नी है। अगर पूरे पंजाब में सबसे अमीर और भ्रष्ट आदमी ये न हो तो मैं अपना नाम बदल दूंगा।

भारत के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन का किया उद्घाटन

पीएम मोदी की 'एक्ट ईस्ट' नीति से सभी के जीवन में आएगा बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जन संचार के आइजोल परिसर में स्थित भारत के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि भारत का 500वां सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'अपना रेडियो 90.0 एफएम' आइजोल के लोगों के जीवन में बदलाव लाने और छात्रों, स्थानीय समुदाय और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में मुख्य भूमिका निभाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'एक्ट ईस्ट' की नीति अपनाई है।

वैष्णव ने की ऑनलाइन शुरुआत

10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार की घोषणा की

वैष्णव ने 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की है। ये पुरस्कार अलग-अलग कैटेगरी में दिया जाता है। ये आम तौर पर हर साल प्रदान किए जाते हैं। मंत्रालय ने 4 श्रेणियों में 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की है। प्रत्येक कैटेगरी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः 1.0 लाख रुपए , 75,000 और 50,000 रुपए हैं। थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए रेडियो ब्रह्मपुत्र, डिब्रूगढ़ को प्रथम पुरस्कार मिला है।

बोरिवली में इमारत में आग से एक की मौत

मुंबई। मुंबई के बोरिवली पूर्व इलाके में एक बहुमंजिला इलाके में आग लग गई है। दम घुटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां लगी रहीं। आग पर काबू पा लिया गया है। मगाथाने मेट्रो स्टेशन के पास बने कनकिया समर्पण टावर में आग लगी है। यह टावर रिहायशी बताया जा रहा है। तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

राष्ट्रपति ने पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया

एक दिन के लिए शिक्षक बनीं राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लिए। इस मौके पर उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दे और इसे रोकने के तरीकों पर छात्रों से बातचीत की। राष्ट्रपति भवन में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय के कक्षा 9 के छात्रों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने एक शिक्षक की भूमिका निभाई और ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दे और इसे रोकने के तरीकों पर छात्रों को पाठ पढ़ाया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

वेबसाइट से फैसला हटवाने के परिणाम गंभीर होंगे

एजेंसी ▶▶

जब कोर्ट ने कोई फैसला दे दिया तो वह सबके लिए उपलब्ध दस्तावेज का हिस्सा हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक फैसले पर रोक लगाते हुए पूछा है।

सीजेआई की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें कानूनी खबरें देने वाले एक पोर्टल से उस फैसले को अपनी वेबसाइट से हटाने के लिए कहा गया था, जिसमें एक व्यक्ति को बलात्कार के मामले में बरी कर दिया गया था। सीजेआई ने कहा कि निर्णय सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और अदालतों द्वारा उन्हें हटाने के आदेश के गंभीर प्रभाव होंगे।

सीजेआई ने फैसले को बताया सार्वजनिक रिकॉर्ड

मद्रास हाई कोर्ट ने दिया था फैसला

सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ इंडिया कानून पोर्टल द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रहा था। हाई कोर्ट ने पोर्टल को अपनी वेबसाइट से फैसले को हटाने के लिए कहा था। उच्च न्यायालय का फैसला कार्तिक थियोडोर नाम के एक व्यक्ति की याचिका पर आया था। उन्होंने सार्वजनिक डोमेन से उस फैसले को हटाने की मांग की थी।

राइट टू बी फॉरगॉटन पीठ करेगी विचार

सीजेआई की पीठ आरोपी शख्स के 'राइट टू बी फॉरगॉटन" से जुड़े मसले पर भी विचार करने के लिए राजी हुई है। सीजेआई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ मद्रास उच्च न्यायालय के 3 मार्च के आदेश के खिलाफ इंडिया कानून की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। विवादित आदेश में कहा गया है कि हालांकि अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे डेटा को कोर्ट रिकॉर्ड के रूप में संरक्षित करें लेकिन व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के बीच संतुलन आवश्यक है।

उच्च न्यायालयों के फैसले विरोधाभासी

याचिकाकर्ता के वकील अपार गुप्ता ने कहा कि राइट टू बी फॉरगॉटन के मुद्दे पर उच्च न्यायालयों के फैसले विरोधाभासी हैं जबकि केरल और गुजरात उच्च न्यायालयों का मानना है कि ऐसा कोई अधिकार नहीं है, वहीं मद्रास हाई कोर्ट का विवादित आदेश इसके विपरीत कहता है। वकील ने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न उच्च न्यायालयों के विरोधाभासी फैसलों से कानून का वास्तविक सवाल उभर रहा है। इसे स्वीकार करते हुए सीजेआई ने इस मुद्दे पर विस्तार से विचार करने की आवश्यकता पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमें कानून सेटल करना होगा। कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मद्रास हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

दिल्ली शराब घोटाला

केजरीवाल, सिसोदिया और कविता की न्यायिक हिरासत फिर बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब 8 अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। इसके पहले 12 जुलाई को आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)